चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 205 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 जनवरी 2025 शनिवार

आज का मौसम
26 अधिकतम
9 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

सिवनी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम, पीएम मोदी वर्चुअल जुड़े, हितग्राहियों से संवाद

सरकार का संपत्ति कार्ड, 15 लाख ग्रामीणों को मिला भू-अधिकार

भोपाल/सिवनी.दोपहर मेट्रो

मप्र सरकार आज स्वामित्व योजना के तहत सूबे के करीब 15 लाख लोगों को भूअधिकार पत्र दे रही है। सिवनी में मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वचुर्अल जुडे और योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। इस योजना के दायरे में 25 सितंबर 2018 के पहले ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों को संपत्ति का कानूनी अधिकार मिलता है। इससे लोगों को बैंक ऋण हासिल करने और विक्रय करने में सहूलियत भी मिलेगी। सिवनी के भी 1052 ग्रामों के 1 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्वामित्व योजना अंतर्गत संपत्ति कार्ड का वितरण किया गया है। वहीं मप्र समेत देश के 10 राज्यों और 2 केन्द्र-शासित प्रदेशों के पचास हजार से अधिक गांवों के 65 लाख से अधिक हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड का वितरण कार्य शुरु हुआ। मप्र सरकार ने सभी जिलों का ड्रोन सर्वे पूरा कर लिया है और भोपाल समेत हरदा, डिंडौरी, सीहोर, खरगोन, कटनी जैसे बारह जिलों में भूअधिकार पत्रों का वितरण किया जा चुका है। बताया जाता है कि सिवनी में आयोजित यह कार्यक्रम पहले 26 दिसंबर को होने वाला था लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के कारण इसे टालना पड़ा था। इसके अलावा आज सिवनी में राज्यस्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण-भूमिपूजन भी किया। उन्होंने विभिन्न शासकीय जन कल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों को प्रतिकात्मक स्वरूप हितलाभ का वितरण किया। यादव ने सौ करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों का भूमिपूजन किया।

शाह के निर्देश: मप्र में नए कानून प्रभावी रूप से लागू हों

भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मप्र को तीनों नए आपराधिक कानूनों को शत-प्रतिशत लागू करने को कहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री यादव को महीने में एक बार, मुख्य सचिव को हर 15 दिन और पुलिस महानिदेशक को सप्ताह में एक बार सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ तीन नए कानूनों की समीक्षा करने के निर्देश दिए। यह भी कहा कि राज्य के पुलिसकर्मियों को समय पर न्याय दिलाना के लिए संवेदनशील बनाएं। शाह ने ये निर्देश दिल्ली बैठक में दिए हैं। शाह ने मप्र की ई-समन व्यवस्था को सराहा है। साथ ही दूसरे राज्यों को उक्त व्यवस्था पर अमल करने की सलाह भी दी है। मुख्यमंत्री की ओर से बैठक में कानूनों के पालन पर जानकारी दी गई। बताया कि नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बड़े स्तर पर प्रशिक्षण दिलवा रहे हैं। आने वाले 2 वर्षों में पुलिस बल में फॉरेंसिक साइंस के विशेषज्ञों की भर्ती कर लेंगे। प्रशिक्षण का काम भी पूरा करेंगे। कानून में शामिल सभी बिंदुओं पर तेजी से काम कर रहे हैं। इसी दौरान मुख्यमंत्री ने ई-समन व्यवस्था को लेकर बताया कि मप्र ऐसा करने वाला पहला राज्य है। यह भी बताया कि आधुनिक संसाधनों के प्रयोग से इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के आधार पर प्रकरणों का तेजी से निराकरण कर रहे हैं। इसके द्वारा न्याय प्रक्रिया आसान हुई है, पुलिस का समय बच रहा है और चिकित्सकों की असुविधा कम हुई है। एक ओर जहां जेल से बंदियों को लाने-ले-जाने में पुलिस बल की असुविधा कम हो रही है, वहीं दूसरी ओर जनता को कम समय में न्याय मिल रहा है।

महाकुंभ में ब्लास्ट की धमकी, आधी रात सर्चिंग, 18 संदिग्धों को पकड़ा

राजनाथ सिंह सेना के अफसरों साथ मीटिंग की

प्रयागराज, एजेंसी

प्रयागराज में बम की सूचना पर देर रात तक पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां परेशान रहीं। पुलिस, डॉग स्क्वायड और बम डिस्पोजल स्क्वाड की टीमों ने सेक्टर-18 सहित महाकुंभ के एरिया में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन कहीं कुछ नहीं मिला। बताया जाता है कि एक सफाईकर्मी के पास धमकी वाली कॉल आई थी और उस सेक्टर में थोड़ी ही देर में ब्लास्ट की धमकी दी थी। पुलिस कॉल डिटेल निकलवा रही है। इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज प्रयागराज पहुंचे हैं वे सेना के अफसरों संग बैठक कर रहे हैं। इधर, महाकुंभ के छठे दिन भी प्रयागराज के सभी घाटों पर भक्तों की जबर्दस्त भीड है। आज ही दोपहर तक करीब तीस लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। अब तक 7.5 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम स्नान कर चुके हैं। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने संगम में डुबकी लगाई। आज रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी आज प्रयागराज आ रहे हैं। वह संगम में स्नान करेंगे तथा सेना के अफसरों के साथ बैठक भी करेंगे। देर रात से शहर और महाकुंभ क्षेत्र में आर्मी के जवान उतरे। पुलिस ने भी जांच-पड़ताल बड़ा दी। मेला क्षेत्र में जाने वाली गा?यों की तलाशी ली। 18 संदिग्ध लोगों को पकड़ा। इनमें से कुछ के पास आधार कार्ड नहीं थे। कई युवकों को चोरी के शक में पकड़ा गया।

कोविंद भी पहुंचे

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आज महाकुंभ में हैं। वह 'एक देश, एक चुनाव' विषय पर आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

अंतत: गाजा में युद्धविराम को मंजूरी, बंधकों की रिहाई का वक्त

कल से लागू होगा समझौता, फिर रिहाई

तेलअबीव, एजेंसी। गाजा में पिछले 15 महीनों से चल रहा हमास और इस्राइल के बीच का युद्ध लगभग खत्म हो गया है। इस्राइल के मंत्रिमंडल ने आज गाजा में युद्ध विराम के समझौते को मंजूरी दे दी है। इसके बाद वहां बंधक बनाए गए दर्जनों लोगों को रिहा होने का रास्ता साफ हो गया है। बताया जाता है कि यह संघर्ष विराम तीन चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में इस्राइल के 33 बंधकों को रिहा किया जाएगा। बदले में इस्राइल भी 250 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इस्राइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी। इस्राइल के न्याय मंत्रालय ने कल से रिहा किए जाने वाले 95 फिलिस्तीनियों की सूची भी जारी की है। समझौता रविवार से लागू होगा। समझौते में मध्यस्थता करने वाले कतर और अमेरिका ने बुधवार को युद्ध विराम की घोषणा की थी, लेकिन समझौता अधर में लटका रहा, क्योंकि नेतन्याहू ने कहा था कि अंतिम समय में कुछ अड़चनें आईं, जिसके लिए उन्होंने हमास को जिम्मेदार ठहराया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस समझौते का कुछ कट्टरपंथी नेताओं ने विरोध किया था। लेकिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार के 24 मंत्रियों ने समझौते के पक्ष में मतदान किया, जबकि आठ ने इसका विरोध किया है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि गाजा में युद्ध विराम और फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले बंधकों को मुक्त करने के लिए वार्ता में अंतिम समय में रुकावटें आईं। अब इस्राइल के छह अस्पतालों को बंधकों को रखने के लिहाज से तैयार किया गया है। क्योंकि मुख्य चिंता लंबे समय से बंधकों को रखे जाने की है। उन्हें संभवतः बहुत ही खराब परिस्थितियों, पोषण व स्वच्छता की कमी में रखा गया है।

कोल्ड डे : अगले तीन दिन राहत के आसार नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र बर्फीली हवाओं से ठिठुर रहा है और अभी तीन दिन तक इससे खास राहत के आसार नहीं हैं। आज शनिवार को भोपाल, सागर समेत 7 जिलों में कोल्ड-डे का अलर्ट है। टीकमगढ़, अशोकनगर और सेंधवा समेत प्रदेश के अधिकतर जिलों में सुबह कोहरा छाया रहा। सेंधवा में करीब 10 मीटर तो अशोकनगर में 50 मीटर के करीब विजिबिलिटी रही। ग्वालियर में भी घने कोहरे के चलते विजिबिलिटी घटकर सिर्फ 50 मीटर रह गई। इधर कोहरे की वजह से इंदौर आने-जाने वाली दो फ्लाइट्स लेट हो गईं। जबलपुर में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, कड़ाके की ठंड का असर अब और भी बढ़ेगा क्योंकि बर्फीली हवा की रफ्तार बढ़ेगी। अगले 3 दिन प्रदेश में कोहरा छाया रहेगा।

सैफ मामले में पुलिस तीसरे दिन भी खाली हाथ

मुंबई, एजेंसी

मशहूर फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के मामले में तीसरे दिन भी मुंबई पुलिस हमलावर को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। पुलिस का मानना है कि आरोपी ने घटना के तुरंत बाद बांद्रा रेलवे स्टेशन से लोकल या एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ ली है। वहीं मुंबई पुलिस को संदिग्ध की एक नई तस्वीर मिली है, जो रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से ली गई है। माना जा रहा है कि आरोपी बार-बार अपने कपड़े बदल रहा है इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि वह किसी क्राइम वेब सीरीज या फिल्म से प्रभावित हो सकता है। घटना के बाद से पुलिस को आरोपी की हरकतें किसी पेशेवर अपराधी जैसी नहीं लग रही हैं। हालांकि पुलिस ने पचास लोगों से पूछताछ का प्लान बनाया है। वहीं सैफ को घायल अवस्था में आटो में ले जाने वाले ड्राइवर के भी बयान लिये जा रहे हैं। मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच की कुल 35 टीमें आरोपी की तलाश कर रही हैं। वहीं कल जिस संदिग्ध में हिरासत में लिया गया था वह वर्सोवा क्षेत्र में हुई एक चोरी के मामले में आरोपी शाहिद बताया जाता है। भले ही सैफ अली खान पर हमले से जुड़े सीधे सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन पुलिस ने शाहिद को क्लीन चिट नहीं दी है। उधर महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने कहा है कि सैफ पर चाकू से हमले के पीछे किसी अंडरवर्ल्ड गैंग का हाथ नहीं है। उन्होंने कहा- एक संदिग्ध जिसे हमले के सिलसिले में हिरासत में लिया गया था वह किसी गिरोह का हिस्सा नहीं था। अभिनेता पर हमले के पीछे चोरी ही एकमात्र मकसद था।

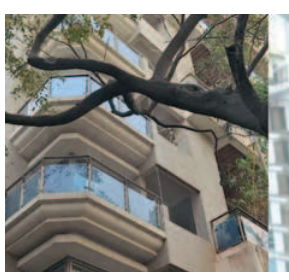

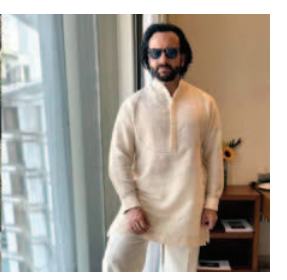

50 लोग रडार पर, स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

करीना का बयान

चोरी की नीयत नहीं थी?

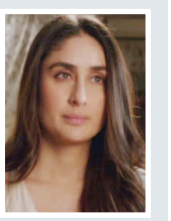

बताया जाता है कि करीना ने देर शाम पुलिस में अपना बयान दर्ज कराते हुए कहा थहै कि वे हमले के वक्त वे भी घर ही मौजूद थीं। हमला 11वीं मंजिल पर हुआ, जबकि वे 12वीं मंजिल पर थीं। जब वे नीचे आईं तो उन्होंने हमलावर को छोटे बेटे जहांगीर के कमरे में देखा। बकौल करीना- हमलावर बहुत आक्रामक था और हमें लगा कि वह जहांगीर पर हमला करना चाहता है। तब सैफ ने बच्चों और महिलाओं (वहां मौजूद नौकरानी) को बचाने के लिए हमलावर का सामना किया। इसी कारण हमलावर जहांगीर तक नहीं पहुंच सका। बाद में उसने सभी को घर के अंदर लॉक कर दिया और फरार हो गया। घर में गहने और अन्य कीमती चीजें रखी थीं, लेकिन उनसे किसी चीज को हाथ नहीं लगाया।

40 साल बाद 'रोटुंडा' में ट्रंप का शपथ समारोह

वाशिंगटन। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का शपथ ग्रहण सोमवार 20 जनवरी को भीषण ठंड की वजह से खुले में न होकर यूएस कैपिटल हिल (संसद) के अंदर होगा। खबरों के मुताबिक, 40 साल में यह पहली बार होगा जब अमेरिकी राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह संसद के भीतर किया जाएगा। ट्रम्प के शपथ ग्रहण के दौरान तापमान माइनस 7 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। ट्रम्प ने अपने सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा देश में आर्कटिक (नॉर्थ पोल के पास) का बर्फीला तूफान चल रहा है। मैं नहीं चाहता कि लोग किसी भी तरह से घायल हों। इसलिए मैंने प्रार्थना और अन्य भाषणों के अलावा उद्घाटन भाषण भी कैपिटल रोटुंडा (कैपिटल हिल इमारत के अंदर बना गोलाकार कमरा) में दिए जाने का आदेश दिया है।हर कोई सुरक्षित रहेगा, हर कोई खुश रहेगा और हम सब मिलकर अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। इससे पहले 1985 में रोनाल्ड रीगन का दूसरा शपथ ग्रहण भी कैपिटल रोटुंडा में हुआ था। उस समय तापमान माइनस 23 से माइनस 29 डिग्री सेल्सियस के बीच था। कैपिटल रोटुंडा कैपिटल हिल बिल्डिंग में गुंबद के नीचे है। यह अमेरिकी संसद के दोनों सदनों की ओर जाने वाले गलियारों से जुड़ा हुआ है।

मेट्रो एंकर | ग्रीन कॉरिडोर बनाकर हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए पहुंचाया दिल

अदभुत...जब मेट्रो में धड़कते दिल को हाथों में सहेजे डॉक्टर्स की टीम निकली सफर पर!

हैदराबाद, एजेंसी

मेट्रो न सिर्फ यात्रियों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा रही, बल्कि कई बार ऐसे कामों में उपयोग आ रही है जो मानव स्वास्थ्य के लिए बहुत अहम हैं। इस कडी में अब हैदराबाद मेट्रो ने 13 किलोमीटर की दूरी को सिर्फ 13 मिनट में पूरा किया और हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए दिल पहुंचाया। इसे लेकर अब एक वीडियो भी सामने आया है। हैदराबाद की मेट्रो ने हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए ग्रीन कॉरिडोर की सुविधा प्रदान की। इस कॉरिडोर ने एलबी नगर के कामिनेनी अस्पताल से लकड़ी के पुल इलाके के ग्लेनीगल्स ग्लोबल अस्पताल तक हृदय (हार्ट) को पहुंचाया। मेट्रो ने 13 स्टेशनों से गुजरते हुए 13 किलोमीटर की दूरी 13 मिनट में तय की, जिससे इस जीवन रक्षक मिशन में महत्वपूर्ण समय की बचत हुई। यह ग्रीन कॉरीडोर रात साढ़े नौ बजे बनाया गया था।

कामिनेनी अस्पताल की टीम ने मेडिकल बॉक्स में डोनर हार्ट रखा और उसे मेट्रो के जरिए ग्लेनीगल्स ग्लोबल अस्पताल तक पहुंचाया, जहां हार्ट ट्रांसप्लांट होना था। मेट्रो में सुरक्षित बाक्स में रखे दिल के साथ अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी सवार हुए। यह प्रयास हैदराबाद मेट्रो रेल, चिकित्सा पेशेवरों और अस्पताल अधिकारियों के बीच सावधानीपूर्वक योजना और सहयोग के माध्यम से संभव हुआ है, जो सभी उपस्थित डॉक्टरों की देखरेख में किया गया।

चार साल पहले भी बना था ऐसा ही ग्रीन कारिडोर

इससे पहले देश में पहली बार तीन फरवरी 2021 को हैदराबाद में मेट्रो ने ब्रेन डेड व्यक्ति के धड़कते हृदय को ले जाने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई थी तब भी ग्रीन कारिडोर बनाया गया था और करीब 21 किमी की दूरी तीस मिनट से कम समय में पूरी की गई थी। तब एक ब्रेन डेड व्यक्ति के धड़कते हृदय को पहुंचाने के लिए हैदराबाद मेट्रो रेल ने स्पेशल ट्रेन चलाई थी। जिसकी मदद से वह हार्ट महज आधे घंटे में एक स्थान से दूसरे स्थान पर सफलतापूर्वक पहुंचा दिया गया। हैदराबाद मेट्रो रेल अधिकारियों ने एलबी नगर स्थित कामिनेनी अस्पताल से हृदय (हार्ट) को शहर के जुबली हिल्स स्थित अपोलो अस्पताल पहुंचाने के लिए विशेष मेट्रो कॉरिडोर बनाया था। बताते हं कि तब तेलंगाना के नलगोंडा जिले के एक किसान के परिवार द्वारा उस समय अंग दान किया गया, जब कामिनेनी अस्पताल में डॉक्टरों ने मरीज को ब्रेन डेड घोषित कर दिया था।

अब अवकाश के दिन भी खुलेंगी प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय अब शोध छात्रों, फैकल्टी सदस्यों, और प्रोजेक्ट पर कार्य करने वाले लोगों के लिए सामान्य अवकाश और शनिवार-रविवार को खुले रहेंगे। संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी त्रिपाठी ने रिसर्च एवं डेवलपमेंट की नई कार्य संस्कृति के विकास पर बल देते हुए कहा कि संस्थान के संसाधनों का उपयोग शोध एवं नवाचार के लिए छात्र हित मे व्यापक रूप से होना चाहिए। संस्थान का उद्देश्य न केवल उच्च गुणवत्ता वाले तकनीकी शिक्षा प्रदान करना है, बल्कि एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहां शोध और नवाचार की दिशा में अनगिनत अवसर हों।

लगभग 2000 ई-बुक्स, 50 से अधिक मैगजीन उपलब्ध: डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित ने बताया कि निटर की सेंट्रल लाइब्रेरी में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए 30 इंटरनेशनल ऑनलाइन डाटाबेस के माध्यम से 15,000 ऑनलाइन जर्नल्स का एक्सेस किया जा सकता है। लगभग 2000 ई-बुक्स, 50 से अधिक मैगजीन पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग 2,000 ई-बुक्स, 50 से अधिक मैगजीन और इंजीनियरिंग एजुकेशन से संबंधित एक समृद्ध कलेक्शन उपलब्ध है। पुस्तकालय में लगभग 50,000 प्रिंटेड बुक्स हैं, जिनमें से 10,000 पुस्तकें हिंदी साहित्य पर आधारित हैं। पुस्तकालय में जल्द ही भारतीय ज्ञान परंपरा पर भी एक नया कलेक्शन जोड़ा गया है।

इंडस्ट्री 4.0 के अनुसार 11 हाइटेक लैब्स उपलब्ध

संस्थान में शोधार्थियों हेतु इंडस्ट्री 4.0 के अनुसार 11 हाइटेक लैब्स उपलब्ध है। इन लैब्स की सुविधाएं आवश्यकतानुसार शैक्षणिक संस्थानों एवं इंडस्ट्रीज के लिए भी उपलब्ध है। एनआईटीटीटीआर भोपाल लेटेस्ट टेक्नोलॉजी और भविष्य की जरूरतों के अनुसार स्किल-बेस्ड 12 डिप्लोमा प्रोग्राम्स की शुरुआत करने जा रहा है।

एनआईटीटीटीआर ने शोध छात्रों, फैकल्टी सदस्यों, और प्रोजेक्ट पर कार्य करने वालों के लिए किया बदलाव

अब कमला नेहरू अस्पताल की लिफ्ट बंद, मरीज हो रहे परेशान

स्ट्रेचर, व्हीलचेयर, वार्ड ब्वाय, सहायक का ब्यौरा भी अधीक्षक से तलब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने राजधानी स्थित कमला नेहरू अस्पताल की लिफ्ट बंद होने मरीजों के परेशान होने के मामले में संज्ञान लेते हुए अस्पताल अधीक्षक को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अस्पताल में उपयोग योग्य लिफ्ट एवं संचालित लिफ्ट की संख्या एवं मरीजों को उपलब्धता के साथ ही अस्पताल में उपलब्ध स्ट्रेचर एवं व्हील चेयर की संख्या एवं उनके जरिए मरीजों को ले जाने हेतु उपलब्ध वार्ड ब्वाय/सहायक की संख्या के संबंध में की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि भोपाल शहर के गैस राहत के 6 मंजिला कमला नेहरू अस्पताल में लगी लिफ्टों के 10 दिनों से बंद हैं। अस्पताल में 12 लिफ्ट लगी हुई है, लेकिन 10 दिन से सभी लिफ्ट बंद पड़ी हुई है। इस कारण मरीजों को ऊपरी मंजिल तक ले जाने के लिये मशक्कत करनी पड़ रही है। अस्पताल में स्ट्रेचर एवं व्हीलचेयर के पर्याप्त संख्या में ना होने के कारण परिजन द्वारा मरीज को गोद में उठाकर प्रथम एवं ऊपरी तल पर ले जा रहे है। इस कारण मरीज एवं उनके परिजनों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

निजी कॉलेजों पर शिकंजा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में संचालित समस्त अशासकीय महाविद्यालयों का सत्यापन एवं भौतिक निरीक्षण राजस्व अधिकारियों की टीम द्वारा किया जाएगा। इसको लेकर अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इन निर्देशों के पालन में जिला कलेक्टरों द्वारा कार्यवाही की जाकर जानकारी एकत्रित की जा रही है। इस संबंध में अपर मुख्य सचिव राजन ने अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर जानकारी यथाशीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये। अपर मुख्य सचिव राजन ने निर्देश करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जायेगा। अशासकीय महाविद्यालयों को अब कलेक्टर के सत्यापन एवं प्रतिवेदन उपरांत ही निरंतरता प्रदान की जायेगी। अशासकीय महाविद्यालयों को स्थापना एवं निरंतरता के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया को अब और अधिक सख्त किया गया है। जारी निर्देश में निर्धारित प्रपत्र में महाविद्यालय संचालन की स्थिति, उपलब्ध कमरों की कुल संख्या, कमरों की बैठक क्षमता, कुल प्रवेशित विद्यार्थी संख्या, निरीक्षण के दौरान उपस्थित विद्यार्थी संख्या, कुल स्टाफ संख्या, निरीक्षण के दौरान उपस्थित स्टाफ संख्या, महाविद्यालय के बारे में स्थानीय नागरिकों का अभिमत एवं महाविद्यालय के विषय में विद्यार्थियों का अभिमत प्राप्त किया जायेगा।

राजस्व अधिकारी करेंगे सत्यापन व भौतिक निरीक्षण

उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेजों की स्थापना व निरंतरता के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र के नियम में किए बदलाव

मौका परीक्षण के बाद दिया जाएगा अनापत्ति प्रमाण-पत्र

जारी निर्देशों के अनुसार, जिले के अग्रणी महाविद्यालय द्वारा प्रत्येक 3 माह में निरीक्षण एवं जिला कलेक्टर की टीम द्वारा मौका परीक्षण उपरांत अनापत्ति प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा। इसके साथ ही पूर्व में जारी प्रक्रिया अनुसार पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन एवं सत्यापित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया कि छात्र-छात्राओं के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखकर सभी अशासकीय महाविद्यालयों का निरीक्षण कलेक्टर अपने जिले के अंतर्गत कराकर राज्य शासन को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर महाविद्यालयों में अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्यवाही की जायेगी। किंतु इसमें यह भी ध्यान में रखा जाएगा कि अशासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को परीक्षा और अध्यापन संबंधी कोई व्यवधान नहीं आ सके।

प्रदेश में 846 कॉलेज संचालित

प्रदेश में अशासकीय गैर-अनुदान अप्राप्त महाविद्यालयों की लगभग संख्या 773 (सात सौ तिहतर) एवं अशासकीय अनुदान प्राप्त महाविद्यालयों की लगभग संख्या 73 है। अशासकीय गैर- अनुदान अप्राप्त महाविद्यालय चंबल संभाग में 123 ग्वालियर 66 उज्जैन 47 इंदौर 124 भोपाल 138 नर्मदापुरम 39 सागर 60 जबलपुर 78 रीवा 85 शहडोल 13 शामिल है। अशासकीय अनुदान प्राप्त महाविद्यालय चंबल संभाग में 06 ग्वालियर 08 उज्जैन 05 इंदौर 12 भोपाल 08 नर्मदापुरम 02 सागर 04 जबलपुर 20 एवं रीवा 08 शामिल है।

फिर बढ़ी ठिठुरन

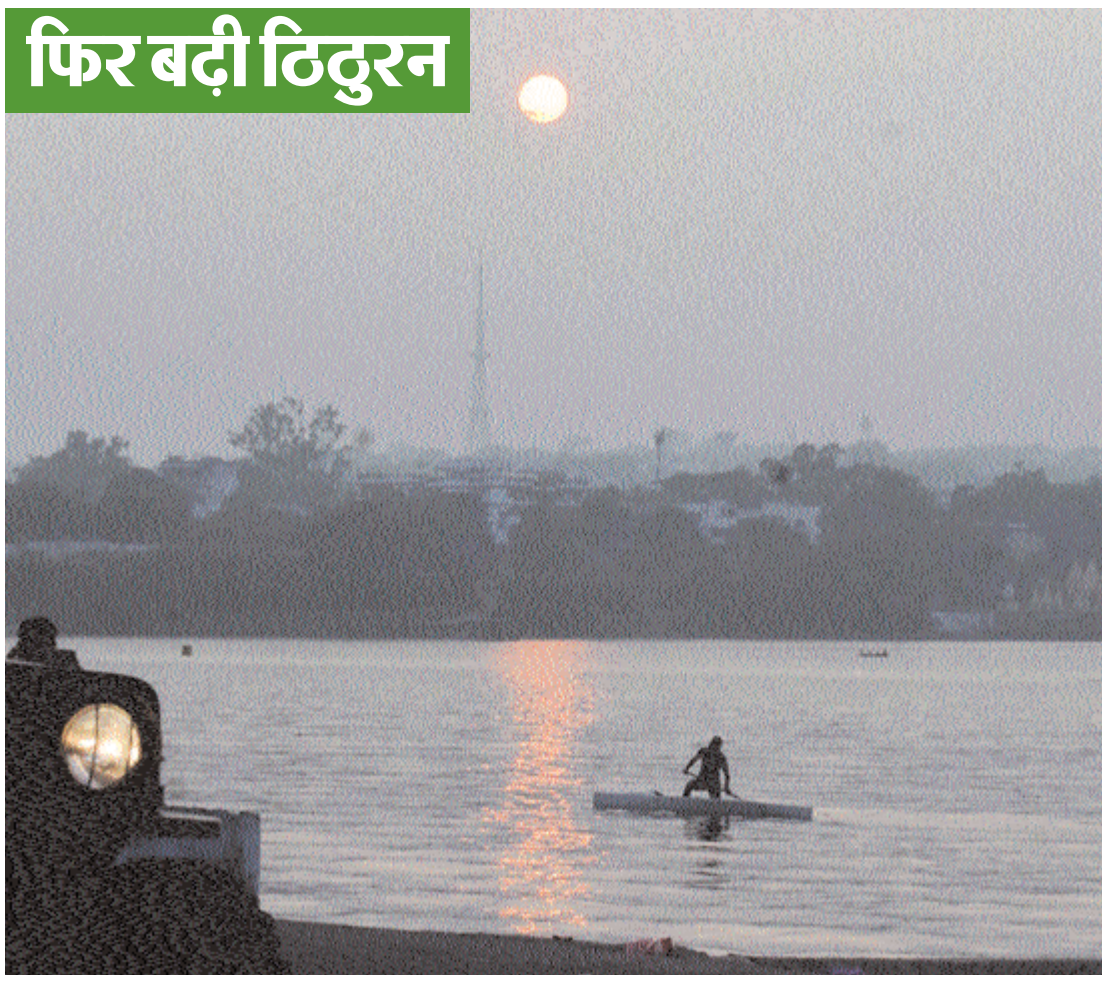

भोपाल, दोपहर मेट्रो। बर्फीली हवा ने एक बार फिर राजधानी में में ठिठुरन बढ़ा दी है। दिनभर सर्द हवा के कारण आसमान से ठंड टपकती रही।

भोज एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की पहली बैठक में परिणामदायक विकास की पहल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजा भोज विमानतल की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य भोपाल के सांसद आलोक शर्मा की अध्यक्षता में एयरपोर्ट एडवाइजरी कमेटी की पहली बैठक एयरपोर्ट के न्यू टेक्निकल ब्लॉक में आयोजित हुई। बैठक में समिति के सदस्यों के साथ प्रशासन और विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। करीब दो घंटे चली इस बैठक में सांसद ने परिणामोन्मुखी कार्य प्रणाली पर जोर देते हुए सुझावों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एयरपोर्ट निदेशक को हर पंद्रह दिन में सुझावों की समीक्षा करने और समयबद्ध कार्यान्वयन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। समितिसदस्य मनोज सिंह 'मीक' ने एयरपोर्ट के समग्र विकास और यात्री सुविधाओं को उन्नत करने के लिए किए गए शोध पर आधारित विस्तृत सुझाव व समाधान प्रतिवेदन एयरपोर्ट निदेशक को सौंपा। यह प्रतिवेदन विगत दिनों आम नागरिकों से प्राप्त सुझावों और विचारों को शामिल कर तैयार किया गया है। नागरिकों से प्राप्त कुछ बिंदु के मुताबिक स्थानीय ब्रांड्स के आउटलेट्स, सेल्फी प्वाइंट 'कमाल का भोपाल', और भोपाल की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने,प्रयाग, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, और केरल जैसे प्रमुख गंतव्यों के लिए नई उड़ानों ,एयरपोर्ट की संरचना और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए ठोस कदम की अपेक्षा की। मीक ने कहा ÷राजा भोज एयरपोर्ट केवल एक हवाई अड्डा नहीं, बल्कि हमारे कनाल के भोपाल की पहचान का प्रतीक है। इस बैठक में प्रस्तुत नागरिकों के विचार और सुझाव हमारे विकास का आधार बनेंगे। सांसद आलोक शर्मा ने सभी सदस्यों और नागरिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास भोपाल के एयरपोर्ट को एक नए आयाम पर ले जाएगा।

डीपीआई ने जारी की राज्य स्तरीय अंतरिम ग्रेडेशन सूची, 25 फरवरी तक होगी फाइनल

भोपाल। माध्यमिक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक और प्रधानाध्यापक माध्यमिक शाला की राज्य स्तरीय अंतरिम ग्रेडेशन सूची लोक शिक्षण संचालनालय ने जारी कर दी है। यह सूची माध्यमिक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक और प्रधानाध्यापक मिडिल स्कूल के लिए 1 अप्रैल 2024 की स्थिति में जारी की गई है। इस सूची को अंतिम रूप देने का दायित्व संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण और जिला शिक्षा अधिकारियों को सौंपा गया है। यह स्पष्ट किया गया है कि 25 फरवरी तक संयुक्त संचालक द्वारा ग्रेडेशन सूची की हार्ड कॉपी संचालनालय को भेजनी होगी। यही सूची आगामी शैक्षणिक सत्र में शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार देने का आधार बनेगी संचालनालय ने निर्देश दिए हैं कि शिक्षकों को लिस्ट का अवलोकन कराया जाएगा, जिससे वे जानकारी में किसी भी प्रकार की भिन्नता होने पर अपने दावे-आपत्ति प्रस्तुत कर सकें। शिक्षक अपनी आपत्तियां संकुल प्राचार्य को सौंपेंगे, जो सेवा अभिलेखों से मिलान कर अपनी टिप्पणी के साथ जिला शिक्षा अधिकारी को भेजेंगे। डीईओ द्वारा गठित जिला स्तरीय समिति इन दावों का परीक्षण करेगी।

मेट्रो एंकर पंचायत व वार्ड स्तर पर जोड़ों के फार्म भरवाने के निर्देश

मुख्यमंत्री कन्या दान योजना : हुजूर विधानसभा में 3 फरवरी को होंगे विवाह, विधायक ने समीक्षा की

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

जिला पंचायत कार्यालय में शुक्रवार को हुजूर विधानसभा में होने वाले मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में आयोजन को लेकर बैठक हुई। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, हर पंचायत एवं वार्ड स्तर पर विवाह जोड़ों के फ़ार्म भरवायें जायें इस मुख्यमंत्री कन्यादान योजना जैसे परोपकारी योजना का लाभ समाज के हर वर्ग को मिले यह हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। विधायक शर्मा ने कहा कि सभी दानों में सर्वश्रेष्ठ दान कन्यादान को माना गया है, इस योजना के माध्यम से हम परोपकार के साथ साथ पुण्य लाभ भी लें। उन्होंने कहा कि तीन फरवरी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय कृषि उपमंडी में होने वाले इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए विस्तृत रूप रेखा तैयार की जाए। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की समीक्षा की बैठक में एसडीएम कोलार रविशंकर राय, एसडीएम हुजूर विनोद सोनकिया, एसडीएम संत नगर आदित्य जैन, अपर आयुक्त रणवीर सिंह, सीईओ जनपद पंचायत फंदा शंकर पाँशे सहित सरपंच, पंचायत सचिव, जोनल अधिकारी वार्ड प्रभारी उपस्थित रहे।

सरपंचों की शिकायतों पर कार्रवाई हो

बैठक में विभिन्न पंचायत के सरपंचों ने अवैध कब्जों की शिकायत की, जिस पर विधायक ने सभी एसडीएम तहसीलदारों एवं पटवारियों को कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए। बोरदा, कालापानी, अरहेड़ी अमझरा में होने वाले अतिक्रमण कारियों पर कार्यवाही के साथ साथ एफ़आईआर कराने को कहा।

इस्लाम नगर के नाम पर भड़के विधायक

पंचायत वार समीक्षा के दौरान जनपद की सूची में अंकित नाम इस्लाम नगर देख कर विधायक रामेश्वर शर्मा भड़क गए उन्होंने कहा की जब इस्लामनगर का नाम जब जगदीशपुर कर दिया गया है फिर भी आपकी सूची अपडेट नहीं कर पाए। क्या राजपत्र की उद्घोषणा को जनपद नहीं मानता? रिकॉर्ड में सुधार किया जाए ।

जय सविधान रैली को लेकर कांग्रेस की बैठक हुई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

कांग्रेस की जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली को संतनगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बैठक हुई, जिसमें तय किया गया कि संतनगर से अधिक से अधिक कार्यकर्ता महू जाएंगे। झूलेलाल मंदिर में हुई बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि 27 जनवरी को प्रदेश के महू में कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी व वरिष्ठ नेता आ रहे हैं। रैली में अधिक से अधिक भागीदारी करनी है। बैठक में त्रिलोक दीपानी, घनश्याम लालवानी, माधु चांदवानी सोनू तोमर, नरेन्द्र केवलानी, जगदीश सावले, अनिल टेक चंदानी ने भाग लिया।

नयी दिशा की ओर ग्रामीण विकास

भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
सत्यमेव जयते

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्वामित्व योजना
अंतर्गत

15.63 लाख भू-अधिकार पत्रों का वितरण एवं लाभार्थियों के साथ संवाद

प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)

एवं

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
द्वारा

विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

18 जनवरी, 2025 | दोपहर 12:30 बजे | सिवनी, मध्यप्रदेश

- स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों में 25 सितम्बर 2018 के पूर्व से रहने वाले व्यक्तियों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करती है।
- योजना से ग्रामीण आबादी को बैंक ऋण प्राप्त करने एवं संपत्ति का विक्रय करने में मिल रही सहायता से ग्रामीण परिवारों का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण सुनिश्चित हो रहा है।

- सभी जिलों का ड्रोन सर्वेक्षण कार्य एवं 12 जिले- भोपाल, हरदा, डिंडौरी, सीहोर, बुरहानपुर, खरगोन, कटनी, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, जबलपुर एवं श्योपुर में भू-अधिकार पत्र वितरण का कार्य पूर्ण हो चुका है।
- प्रदेश में अब तक 39.63 लाख भू-अधिकार पत्रों का वितरण किया जा चुका है।

D11161/24

सीधा प्रसारण http://pmindiawebcast.nic.in DD News @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

संपादकीय

जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी

पि सोशल मीडिया कंपनी मेटा और उसके सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने अपने अजब बयान पर माफी मांग ली है। मगर अभिव्यक्ति के नाम पर वे खुद अजब विरोधाभास से घिर चुके हैं। दरअसल जुकरबर्ग ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि कोरोना के बाद दुनिया के कई देशों में मौजूदा सरकारें गिर गईं। भारत के लोकसभा चुनाव में भी मोदी सरकार हार गई। यह जनता का सरकारों में घटता भरोसा दिखाता है। उनके बयान के बाद संसद की आईटी समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि इस बयान पर कंपनी को माफी मांगनी चाहिए। वरना हमारी समिति उन्हें मानहानि का नोटिस भेजेगी। इसके बाद मेटा इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट शिवनाथ ठुकराल ने कहा- यह एक लापरवाही थी। गौरतलब है कि जुकरबर्ग ने कहा कि कोरोना के बाद कई मौजूदा सरकारें गिर गईं, लेकिन ऐसा भारत में नहीं हुआ। हम लापरवाही के चलते हुई इस गलती के लिए माफी मांगते हैं। फेसबुक और मेटा पहले भी तथ्यों के साथ छेड़छाड़ और फेकन्यूज को लेकर ढिलाई जैसे आरोपों में घिरती रही हैं। यह वाकई हैरत की बात है कि जकरबर्ग ने भारत को भी उन देशों में शामिल कर लिया जहां पिछले साल चुनाव में सरकारों ने सत्ता गंवाई। तथ्य यह है कि भाजपा की सीटें भले कम हुई हों, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन एनडीए ने बहुमत हासिल कर सरकार में वापसी कर ली है। दूसरी तरफ भारत मेटा के लिहाज से बहुत अहम देश है। फेसबुक की ओनर कंपनी मेटा के जुकरबर्ग पहली बार इस तरह के झमेले में नहीं फंसे हैं। खास बात यह है कि जुकरबर्ग ने अभी हाल ही में मेटा की कंटेंट मैनेजमेंट पॉलिसी में बड़े बदलाव की घोषणा की थी। अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर लाए जा रहे इन बदलावों के तहत मेटा थर्ड पार्टी फैक्ट चेकिंग का सिस्टम समाप्त करने वाली है। उसकी इस घोषणा को भी अमेरिका में हो रहे सत्ता परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि यह ट्रंप समर्थकों को खुश करने की कोशिश है जो फ्री स्पीच के नाम पर फैक्ट चेकिंग की इस व्यवस्था का काफी समय से विरोध कर रहे हैं। 2018 में सामने आए कैंब्रिज एनालिटिका विवाद को भी इस संदर्भ में याद किया जा सकता है जिसमें यूजर्स के पर्सनल डेटा की सुरक्षा का सवाल प्रमुखता से उभरा था। ऐसे और भी मामले हैं जिनसे यह संदेह मजबूत होता है कि फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों का इस्तेमाल सिर्फ अधिक से अधिक मुनाफा हासिल करने के मकसद से हो रहा है। समाज को होने वाले नुकसान की तरफ पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस तरह की गैरजिम्मेदारी खतरनाक हो सकती है और इसकी इजाजत नहीं दी जा सकती। मगर ताजा विवाद को सरकार ने गंभीरता से लिया है, यह अच्छी बात है। हालांकि जरूरी है कि चिंता इसी मामले तक सीमित न रहे। हेट स्पीच और फेक न्यूज के अन्य मामले भी उतने ही गंभीर हैं चाहे वे किसी भी समुदाय और पार्टी के खिलाफ केंद्रित हों। उम्मीद है, भारत सरकार की सख्ती मेटा को ज्यादा जिम्मेदार बना देगी, एक व्यापक सोशल मीडिया प्लेटफार्म होने की वजह से जुकरबर्ग और उनकी कंपनी की जिम्मेदारी का फलक भी उतना ही व्यापक होना चाहिये।

कष्ट हृदय की कसौटी है।
तपस्या अग्नि है।
- जयशंकर प्रसाद

आज का इतिहास

- 2009- 'बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन' ने सौरव गांगुली को सोने के बैट से सम्मानित किया।
- 2006- संयुक्त राज्य अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट ने इच्छा मृत्यु पर मुहर लगाई।
- 2004- क्रिकेट की वनडे सीरीज में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 19 रनों से हराया।
- 1997- 'नफीसा जोसेफ़' 'मिस इंडिया' बनीं।
- 1995- याहू डॉट कॉम (yahoo.com) का डोमेन बनाया गया।
- 1974- मिस्र एवं इजरायल ने हथियारों का समझौता किया।
- 1963- पूर्वी कजाखिस्तान में तत्कालीन सोवियत संघ ने परमाणु परीक्षण किया।
- 1963- यूरोपीय साझा बाज़ार से ब्रिटेन को अलग करने की फ्रांस ने वकालत की।
- 1962- अमेरिका ने नेवादा में न्यूक्लियर टेस्ट किया।
- 1960- जापान तथा अमेरिका ने संयुक्त रक्षा समझौता किया।
- 1959- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की सहयोगी मीरा बेन (मैडलिन स्लैड) ने भारत छोड़ा।
- 1951- झूठ पकड़ने वाली मशीन का नीदरलैंड में पहली बार इस्तेमाल।
- 1930- महान लेखक रवीन्द्रनाथ टैगोर ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम की यात्रा की।
- 1919- आलिशान गाड़िया बनाने वाली ब्रिटिश कंपनी 'बेंटले मोटर्स लिमिटेड' की स्थापना।
- 1896- 'एक्सरे मशीन' का पहला प्रदर्शन किया गया।
- 1862- अमेरिकी में एरिजोना परिसंघ क्षेत्र का गठन।
- 1778- 'हवाई द्वीपसमूह' की खोज करने वाले जेम्स कुक पहले यूरोपियन बने थे।
- 1985-मिनिषा लांबा- फिल्म अभिनेत्री का जन्म।

निशाना

नया अब जुड़ाव

-कृष्णेन्द्र राय

कायाकल्प कर रहे ।
दिखना तय बदलाव ।।
कर के रहेंगे जल्द ।
नया अब जुड़ाव ।।
कोशिश लगातार है ।
कर पाएं कुछ हल ।।
सोच रहे हैं हम भी ।
सवरे अपना कल ।।
उत्तर देना भारी है ।
दिखता नहीं सुधार ।।
बच सकते हैं उससे ।
होता जो प्रहार ।।
होना असरदार यदि ।
करना फिर प्रयास ।।
समय आज है आन ।
होगा बनना ख़ास ।।

महाकुम्भ 2025 : करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच स्वच्छता का हिमालय जैसा संकल्प

■ विनोद पाठक

स फाई कर्मियों के योगदान से कुंभ की पहचान स्वच्छ कुंभ के रूप में हुई है, दिव्य कुंभ को भव्य बनाने में सबसे बड़ा योगदान सफाई कर्मियों का है तो यह समाचार राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बना था। इस बार भी जब प्रधानमंत्री बीते 13 दिसंबर महाकुंभ प्रयागराज में संगम पूजन के लिए आए तो उन्होंने महाकुंभ जैसे दिव्य और भव्य आयोजन को सफल बनाने में स्वच्छता की बड़ी भूमिका की चर्चा की थी।विश्व के सबसे बड़े मेले महाकुंभ में पहले दो प्रमुख स्नान बीत चुके हैं और सरकारी आंकड़ों के अनुसार 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद मेला क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था में कोई कमी नहीं देख रही है। गंगा, यमुना और संगम के न केवल घाट साफ-सुथरे दिख रहे हैं, बल्कि सड़कों पर 24 घंटे सफाई कर्मी स्वच्छता का विशेष ध्यान दे रहे हैं।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का विशेष फोकस महाकुंभ मेले में स्वच्छता को लेकर शुरुआत से रहा है। इसकी व्यापक तैयारियां पिछले कई महीनों से मेला क्षेत्र में देखी जा रही हैं। इस बार स्वच्छता को डिजिटल माध्यम से भी जोड़ा गया है, ताकि 4200 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले मेला क्षेत्र में स्थापित 1.5 लाख शौचालयों की मॉनिटरिंग की जा सके। शौचालयों की सफाई में कोई कमी ना रहे, इसके लिए 2500 से अधिक गंगा सेवादूत मोबाइल के साथ तैनात हैं, जो बार कोड स्कैन के माध्यम से शौचालय की स्वच्छता और साफ- सफाई की व्यवस्था करते हैं। जेट स्प्रे से शौचालय तत्काल साफ हो रहे हैं। सफाई व्यवस्था के लिए आईसीटी (इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी) आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम एक्टिव किया गया है।

मेल क्षेत्र में 15 हजार से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। जब भी आप महाकुंभ मेला क्षेत्र में निकलेंगे तो आपको जगह-जगह पर सफाई कर्मी झाड़ू लगाते, कचरा

उठाते हैं और घाटों को साफ करते दिखेंगे। 40 कम्पेक्टर और 120 टिपर कूड़ा उठाने के लिए मेला क्षेत्र में दिन-रात दौड़ रहे हैं। 25 हजार से अधिक कचरा पात्र रखवाए गए हैं। गंगा, यमुना और संगम में दूषित पानी न जाए, इसको लेकर सरकार की व्यवस्थाएं सुदृढ़ नजर आती हैं। 200 किलोमीटर से लंबी ड्रेनेज लाइन डाली गई हैं। इसके अलावा, दो नए एफएसटीपी (फिकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट), तीन अस्थाई व 10 स्थाई एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) सरकार ने लगाए हैं, ताकि जल निर्मल बना रहे। सरकार ने सफाई कर्मियों के लिए स्वच्छ कुंभ कोष की भी स्थापना की, जिसमें 15 हजार सफाई कर्मियों के लिए बीमा, स्वास्थ्य समेत 6 योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। सफाई कर्मियों के लिए आवासीय व्यवस्था (सेनिटेशन कॉलोनी), उनके बच्चों के लिए स्कूल (विद्या कुंभ) और आंगनबाड़ी केंद्र की सुविधा दी जा रही है। सफाई मित्रों को कोई आर्थिक दिक्कत न हो, इसके लिए प्रत्येक 15 दिन की अवधि में उनके खातों में धनराशि स्थानांतरित की जा रही है।

स्वच्छता से जुड़ा प्लास्टिक का भी बड़ा विषय है। इस बार महाकुंभ मेला क्षेत्र को प्लास्टिक मुक्त घोषित किया गया है। कुल्हड़, दोना-पत्तल और कपड़े व जूट थैला की दुकान सभी 25 सेक्टरों में खोली गई हैं। मेला में उपयोग में लाई गई प्रचार सामग्री भी प्लास्टिक मुक्त है। सरकार ने व्यापक स्तर पर प्लास्टिक उपयोग न करने को लेकर जन-जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन की गतिविधियों को चलाया है। इस मुहिम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। संघ ने देशभर से 50 लाख स्टील की थाली और कपड़े के थैले इकट्ठा कर महाकुंभ क्षेत्र में भेजे हैं। अखाड़ों ने महाकुंभ मेले को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया है।

उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि महाकुंभ में 45 करोड़ श्रद्धालु और देश-विदेश से पर्यटक आने वाले हैं। लोगों की इतनी बड़ा संख्या को देखते हुए स्वच्छ महाकुंभ का संकल्प हिमालय जैसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। पहले दो प्रमुख स्नान के बाद निश्चित रूप से मेला प्रशासन अपनी तैयारियों का एक बार पुर्नावलोकन करेगा, लेकिन जिस तरह से सफाई कर्मी, गंगा सेवादूत और मेला प्रशासन 4200 हेक्टेयर में फैले मेला क्षेत्र को स्वच्छ और साफ बनाने में जुटा है, स्पष्ट है कि एक नया स्वच्छता का अनुभव देश-दुनिया से आकर पावन संगम में डुबकी लगाने वालों को मिल रहा है। महाकुंभ से एक बार फिर स्वच्छ भारत का संदेश देशभर में जाने वाला है।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

शरणार्थियों के बोझ से कराहता मिजोरम

■ प्रभाकर मणि तिवारी

पू र्वोत्तर राज्य मिजोरम, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों से आने वाले शरणार्थियों के बोझ से कराह रहा है। इससे स्थानीय आबादी का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। मिजोरम पूर्वोत्तर में सबसे ज्यादा शरणार्थियों को रखने वाला राज्य है। यहां म्यांमार और बांग्लादेश के अलावा पड़ोसी मिजोरम के करीब 50 हजार शरणार्थी रह रहे हैं। राज्य की आबादी करीब 11 लाख है यानी कुल आबादी का पांच फीसदी शरणार्थी हैं। अब भी सीमा पार से हर महीने सैकड़ों म्यांमारी शरणार्थी राज्य में पहुंचते हैं।दूसरी ओर, राज्य सरकार अब तक म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का बायोमेट्रिक आंकड़ा जुटाने का काम भी नहीं शुरू कर सकी है। केंद्र ने दिसंबर तक इस काम को पूरा करने की समयसीमा तय की थी।राज्य के 11 में से सात जिलों में बने करीब डेढ़ सौ राहत शिविरों में 40 हजार से ज्यादा शरणार्थी रह रहे हैं। इनके अलावा हजारों शरणार्थियों ने राज्य में अपने रिश्तेदारों के घर शरण ली है।

राज्य सरकार अब तक इन शरणार्थियों पर करीब 25 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। उसके अलावा कई गैर-सरकारी संगठन भी उनकी मदद करते हैं, उसका कोई हिसाब नहीं है। राज्य सरकार के बार-बार अपील करने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल में शरणार्थियों में राशन बांटने के लिए पांच करोड़ की रकम भेजी है।मिजोरम की 510 किमी लंबी सीमा म्यांमार से लगी है। वर्ष 2021 में वहां सैन्य तख्तापलट के बाद से ही सीमा पार से 30 हजार से ज्यादा शरणार्थियों ने पलायन कर मिजोरम में शरण ली है। सीमा के दोनों ओर चिन समुदाय के लोग ही रहते हैं और उनमें बेटी-रोटी का रिश्ता है। स्थानीय लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने भी सीमावर्ती जिलों में बने राहत शिविरों में उनके रहने-खाने का इंतजाम

किया है। उनके अलावा हजारों लोग इन इलाकों में बसे अपने रिश्तेदारों के घर रह रहे हैं।पहले म्यांमार के साथ खुली सीमा नीति के तहत दोनों ओर के लोग बिना किसी कागजात के ही एक-दूसरे की सीमा में 16 किमी तक भीतर जा सकते थे लेकिन इस साल फरवरी में सरकार ने फ्री मूवमेंट रेजिम (एफएमआर) नामक उस समझौते को रद्द कर दिया। बावजूद इसके सीमा खुली होने की वजह से हर महीने सैकड़ों शरणार्थी जान बचाने के लिए मिजोरम पहुंच रहे हैं। राज्य सरकार के अलावा सबसे ताकतवर सामाजिक संगठन यंग मिजो एसोसिएशन, चर्च और दूसरे संगठन उनकी मदद कर रहे हैं। केंद्र सरकार उनको शरणार्थी का दर्जा नहीं दे सकती लेकिन मुख्यमंत्री लालदूहोमा ने साफ कर दिया है कि वो किसी भी शरणार्थी को राज्य से नहीं निकालेंगे। मुख्यमंत्री का कहना है कि केंद्र इनको शरणार्थी का दर्जा भले नहीं दे सकता, वह उनको राहत मुहैया कराने के लिए हमारी मदद के लिए सहमत हो गया है।

म्यांमार के अलावा कुछ महीने पहले बांग्लादेश के चटगांव पर्वतीय इलाके के करीब दो हजार शरणार्थी राज्य में पहुंचे थे। इसके साथ ही पड़ोसी मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद वहां से आने वाले कुकी जो जनजाति के दस हजार से ज्यादा शरणार्थियों ने महीनों से मिजोरम में शरण ली है।

केंद्र सरकार ने मिजोरम को म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का बायोमेट्रिक आंकड़ा जुटाने का निर्देश दिया था लेकिन अब तक यह काम शुरू नहीं हो सका है। राज्य के गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी बताते हैं कि बायोमेट्रिक आंकड़ों के लिए तैयार मौजूदा ऑनलाइन पोर्टल म्यांमार के शरणार्थियों के लिए उपयुक्त नहीं है। यह उन शरणार्थियों के लिए बना है जिनको उनके देश वापस भेजा जाना है। केंद्र ने राज्य सरकार को भरोसा दिया है कि म्यांमार में शांति बहाल नहीं होने तक इन शरणार्थियों को वहां वापस नहीं भेजा जाएगा। राज्य सरकार के एक अधिकारी बताते हैं कि शरणार्थियों की बढ़ती तादाद से राज्य के खजाने पर भी बोझ बढ़ रहा है। यह छोटा-सा पर्वतीय राज्य अपनी 80 फीसदी से ज्यादा वित्तीय जरूरतों के लिए केंद्र पर ही निर्भर है। इसके अलावा स्थानीय लोगों में भी नाराजगी बढ़ रही है। इन शरणार्थियों में कई लोग सीमा पार से हथियारों और दूसरी अवैध वस्तुओं की तस्वीर में जुटे हैं। बीते दो-तीन वर्षों के आंकड़ों से साफ है कि शरणार्थी समस्या बढ़ने के साथ ही सीमा पार से तस्करी की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

नई दिल्ली विधानसभा सीट पर फंस गए हैं अरविंद केजरीवाल!

■ संतोष पाठक

आ म आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल भले ही एक बार फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के लिए चुनाव लड़ रहे हो लेकिन इस बार वह बुरी तरह से फंसते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के मजबूती से दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारियों ने तो आम आदमी पार्टी सरकार की वापसी पर प्रश्नचिन्ह लगा ही दिया है लेकिन इस त्रिकोणीय लड़ाई में केजरीवाल की अपनी सीट भी फंसती हुई नजर आ रही है।केजरीवाल इस बात को काफी पहले ही समझ गए थे, इसलिए वह लगातार इंडिया गठबंधन की एकता की बात उठाने लग गए थे। यहां तक कि केजरीवाल ने डीएमके सुप्रीमो एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन, शरद पवार, अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं से राहुल गांधी को समझाने की गुहार भी लगाई। लेकिन अरविंद केजरीवाल की असलियत से वाकिफ राहुल गांधी ने यह साफ कर दिया कि कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अपने आप को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ेगी। सीलमपुर की अपनी पहली चुनावी रैली में राहुल गांधी ने जिस अंदाज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ आप मुखिया अरविंद केजरीवाल, पर भी जमकर निशाना साधा,उससे यह साफ हो गया कि राहुल गांधी अपनी पार्टी को समाप्त कर केजरीवाल की मदद कतई नहीं करेंगे। कांग्रेस के इस स्टैंड ने अरविंद केजरीवाल की विधायकी पर भी तलवार लटका दिया है। केजरीवाल को अब यह डर सताने लगा है कि अब वह अपनी विधानसभा सीट 'नई दिल्ली' से भी चुनाव हार सकते हैं। केजरीवाल के इस डर के पीछे ठोस कारण है। अरविंद केजरीवाल वर्ष 2013 के अपने पहले विधानसभा चुनाव में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को

नई दिल्ली विधानसभा सीट से चुनाव हराकर, पहले विधायक बने थे और फिर कांग्रेस के ही 8 विधायकों के समर्थन से पहली बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। बताया तो यहां तक जाता है कि 2013 में शीला दीक्षित को चुनाव हराने के लिए कांग्रेस के कई नेताओं ने भी अरविंद केजरीवाल की मदद की थी। लेकिन दिल्ली में पार्टी को फिर से मजबूत बनाने के मिशन में जुटे राहुल गांधी ने इस बार नई दिल्ली विधानसभा सीट से केजरीवाल के खिलाफ स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को उतार कर लड़ाई को त्रिकोणीय और दिलचस्प बना दिया है।

अगर आप 2020 के विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को मिले वोटों की तुलना 2015 के विधानसभा चुनाव से करेंगे तो आपको यह समझ आ जाएगा कि केजरीवाल को अपनी ही विधानसभा सीट पर डर क्यों लग रहा है? वर्ष 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे। लेकिन वर्ष 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री होने और कुल मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी होने के बावजूद केजरीवाल को मिले वोटों में भयानक गिरावट आ गई थी। 2015 के चुनाव में जिन केजरीवाल को 57,213 वोट मिले थे, उन्ही केजरीवाल को 2020 के चुनाव में 46,758 वोट ही मिल पाए थे। पिछली बार यानी 2020 के विधानसभा चुनाव में केजरीवाल की जीत का अंतर 21,697 था लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार को सिर्फ 3,220 मत ही मिल पाए थे। इस बार शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं और अगर वह आखिर तक पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ पाते हैं तो फिर केजरीवाल के लिए मुसीबतें खड़ी हो जाएगी। क्योंकि इस बार दिल्ली के एक और पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे प्रवेश वर्मा भी नई दिल्ली से चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा उम्मीदवार के तौर पर प्रवेश वर्मा और कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर संदीप दीक्षित के मजबूती से चुनाव लड़ने की वजह से वोटों का बिखराव होगा,जिसका सीधा-सीधा नुकसान अरविंद केजरीवाल को ही होगा। इसलिए आम आदमी पार्टी के तमाम नेता और स्वयं अरविंद केजरीवाल भी अंदर से डरे हुए हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ के उपार्जन हेतु जिला स्तरीय उपार्जन समिति गठित

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ के उपार्जन हेतु किसान पंजीयन एवं उपार्जन के संपूर्ण कार्य पर्यवेक्षण, उपार्जन की समस्त प्रकिया, स्कंध की गुणवत्ता, निरीक्षण, पंजीयन / उपार्जन नीति अंतर्गत आने वाली कठिनाईयों का निराकरण करने हेतु जिला उपार्जन समिति गठित की गई है।

जारी आदेशानुसार जिला स्तरीय उपार्जन समिति में कलेक्टर अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, उपायुक्त सहकारिता नर्मदापुरम, उप संचालक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग नर्मदापुरम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक नर्मदापुरम, जिला विपणन अधिकारी नर्मदापुरम, जिला प्रबंधक MPWLC नर्मदापुरम, जिला प्रबंधक, MPSCSC नर्मदापुरम सदस्य रहेगें तथा जिला आपूर्ति नियंत्रक नर्मदापुरम सदस्य सचिव रहेंगे।उक्त गठित समिति शासन द्वारा जारी रबी विपणन वर्ष 2025-26 की पंजीयन / उपार्जन नीति में दिये गये प्रावधानों के अनुसार सौपे गये समस्त दायित्वों का निर्वाहन करेंगी।

कलेक्टर सुश्री मीना ने रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ के उपार्जन हेतु किसान पंजीयन एवं उपार्जन के संपूर्ण कार्यवाही हेतु श्री सौजान सिंह रावत, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

तीन दिवसीय महामहोत्सव का हुआ समापन

गंजबासौदा। श्री तारण तरण दिगंबर जैन चेत्यालय धुसरपुरा के श्री वेदी प्रतिष्ठा महामहोत्सव के तृतीय दिवस वेदी सूतन का मंगल कार्यक्रम संपन्न हुआ प्रातः कालीन बेला में सभी सौभाग्यशाली वेदी सूतन कर्ताओं और देश के कोने कोने से आए हुए श्रद्धालु समवशरण मंडप में इकट्ठे हुए।मंत्र जप ध्यान और संगीतमय मंदिर विधि संपन्न हुई। तत्पश्चात सभी शोभायात्रा के रूप में मंडप से धूसरपुरा चेत्यालय के लिए रवाना हुए। अहिंसा धर्म के ध्वज के तले दिव्य घोष की धुन के बीच जयकारा लगाकर भजन गाते हुए सभी पूरे उत्साह से चल रहे थे। चेत्यालय पहुंचकर पूरे विधि विधान और धार्मिक अनुष्ठान के साथ शुद्धि के बाद सूत के धागे से बेदी का सूतन हुआ।

खुशी इतनी की आंखें हुई सजल मनाया मंगल महोत्सव

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम मैं शामिल सभी लोगों की खुशी इतनी थी कि सबकी आंखें सजल हो गई और फिर बड़ी प्रसन्नता के साथ सभी ने आनंद का मंगल उत्सव मनाया और ढोल की थाप पर खूब नाचे कार्यक्रम के अंतिम चरणों में आयोजन समिति ने उन सभी का आभार माना जिन लोगों एवं संस्थाओं ने सानंद संपन्न करने में भूमिका अदा की थी।

नये बस स्टैंड पर मिठाई खिलाकर यात्रियों का किया गया स्वागत..

पुराना बस स्टैंड हुआ बंद, नए बस स्टैंड से होगा बसों का संचालन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार शुक्रवार को कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार एवं एसडीम प्रतीक राव के नेतृत्व में आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान एवं यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा तथा टीम के द्वारा इटारसी स्थित पुराने बस स्टैंड को पूर्णतः बैरीकेटिंग करके बंद कर दिया गया तथा नए बस स्टैंड से सभी तरह के मार्गों पर चलने वाली बसों का संचालन शुरू कराया गया. इसके पूर्व अधिकारियों द्वारा बस संचालकों, एजेंटों, ऑटो चालकों एवं यात्रियों से नए तथा पुराने बस स्टैंड को लेकर चर्चा की गई तथा होने वाली सुविधा एवं असुविधा की जानकारी ली गई। ऑटो चालकों को नए एवं पुराने बस स्टैंड के मध्य निर्धारित किराया यात्रियों से लेना सुनिश्चित किया गया। एसडीएम के द्वारा इटारसी सीएमओ को नए बस स्टैंड में व्यवस्था को जांचने के निर्देश दिए गए ताकि नए बस स्टैंड में यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। नए बस स्टैंड में आए यात्रियों का स्वागत एसडीएम, आरटीओ एवं यातायात डीएसपी के द्वारा मिठाई खिलाकर किया गया एवं यात्रियों से चर्चा भी की गई। एसडीम प्रतिक राव ने बताया कि नए बस स्टैंड से ही सभी बसों का संचालन किया जाएगा एवं नए बस स्टैंड में सभी प्रकार की व्यवस्थाओं को पूर्ण रखा जाएगा।

नए बस स्टैंड में सीसीटीवी कैमरे, लाइट एवं पानी, शौचालय की व्यवस्था अच्छी तरह से की गई है। जिससे यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा एवं पुराने बस स्टैंड में लगने वाले जाम से इटारसी वासियों को राहत मिलेगी। पुलिस का गश्ति दल रात्रि में लगातार गस्त करेगा।

आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान एवं डीएसपी संतोष मिश्रा ने बताया कि इटारसी से आने तथा जाने वाली बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा एवं किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर उसका निराकरण शीघ्रता से किया जाएगा.ऑटो चालकों को हिदायत दी गई है कि नए बस स्टैंड एवं पुराने बस स्टैंड के बीच निर्धारित किराया ही लिया जाए।

माखननगर से बकतरा मार्ग 20 जनवरी से 12 मार्च तक बंद रहेगा

नर्मदापुरम। उप पुलिस अधीक्षक यातायात नर्मदापुरम ने बताया कि ग्राम नांदनेर से नसीराबाद ढाना मार्ग पर निर्मित नर्मदा नदी पर वृहद जलमग्नीय पुल की विशेष मरम्मत हेतु माखननगर से बकतरा तक यातायात मार्ग 20 जनवरी 2025 से 12 मार्च 2025 तक बंद रहेगा। उक्त पुल विशेष मरम्मत का कार्य कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण, सेतु निर्माण विभाग द्वारा 1 माह 20 दिन में कर लिया जाएगा। माखननगर से बकतरा मार्ग बंद होने से इस अवधि में लोग परिवर्तित मार्ग माखन नगर से परिवर्तित होकर माखननगर-ऑचलखेडा-जासलपुर-शाहगंज-डोबी होकर जोंतला-बकतरा जोड़ से आना जाना कर सकेंगे। उप पुलिस अधीक्षक यातायात नर्मदापुरम ने थाना प्रभारी माखन नगर को निर्देश दिए है कि मार्ग परिवर्तित कराने हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस कार्य हेतु उक्त निर्माण ऐजेंसी के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर निर्माण कंपनी के कर्मचारियों का सहयोग लिया जाए एवं परिवर्तित मार्ग के संबंध में प्रचार प्रसार भी सुनिश्चित किया जाए।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को दी यातायात के नियमों की जानकारी

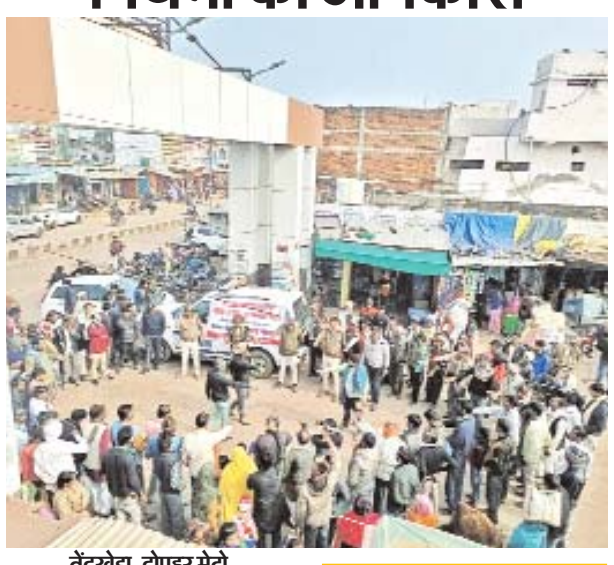

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

सड़क सुरक्षा माह जनवरी 2025 परवाह थीम के अंतर्गत नगर के बसस्टेंड पर चलाया जा रहा यातयात जागरूकता अभियान

सड़क सुरक्षा माह जनवरी 2025 परवाह थीम के अंतर्गत नगर के बसस्टेंड पर यातयात जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस अधिकारियों के द्वारा बढ़ रहे एक्सीडेंट को लेकर उपस्थित लोगों को बताया कि आपका जीवन कितना अनमोल हैं परिवार में कोई आपकी राह देख रहा हैं सभी वाहन चालक बिना शराब पिए वाहन को चलाएं, साथ ही मोटरसाइकिल सवार बिना हेलमेट के वाहन न चलाएं, कार चालक एवं अन्य सभी सवार शीट बेल्ट का उपयोग करे। इसके अलावा यातायात के नियमों का पालन करे। उपस्थित सभी लोगों को यातायात के नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान उपनिरीक्षक आरके गोस्वामी, रंजीत अहिरवार, प्रधान आरक्षक ब्रजेष तिवारी, आरक्षक प्रियांषु, नीरज नामदेव के अलावा दमोह यातायात का स्टाफ मौजूद रहा।

छात्राओं को साइकिल वितरण एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण व भूमि पूजन सम्पन्न

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के शिविर में मध्य प्रदेश शासन शिक्षा विभाग की योजना अंतर्गत सेमरीहरचंद में छात्र-छात्राओं को निशुल्क साइकिल वितरण तथा 103.39 करोड़ रु के कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किए गए। इस अवसर पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी,राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक ठाकुर विजयपाल सिंह उपस्थिति में नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण किया,जिसकी लागत 21.80 लाख रु, पंचायत भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण जिसकी लागत 7.05 लाख रु., श्रमिक रन बसेरा निर्माण कर जिसकी लागत 10 लाख रु., पंचायत भवन परिसर में पावर ब्लॉक कर जिसकी लागत 6.23 लाख रु., आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 8 भवन निर्माण कार्य जिसकी लागत 5 लाख रु. स्टॉप डैम निर्माण कर फूंदना नाला 1 जिसकी लागत 16.23 लाख रु., तीन सेट निर्माण सप्ताहिक बाजार में जिसकी लागत 6.33 लाख रु, भूमि पूजन स्टॉप डैम निर्माण कर फुदना नाला नंबर 2 जिसकी लागत 12.25 लख रु., आरसीसी नाली निर्माण कर झब्बू लाल के घर से तनवीर के घर की ओर कुशवाहा मोहल्ला वार्ड क्रमांक 1 जिसकी लागत 18.50 लख रु कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्रीमती सविता दीवान शर्मा, सतपाल पालिया, जिला उपाध्यक्ष सुरेश पटेल, महेंद्र मीना, जी.पी. मेहरा,इन्दर सिंह मीना, प्रेम खंडेलवाल, महेंद्र शर्मा,मंगेश माहेश्वरी,राघव पटेल, नरेंद्र कुशवाहा,गोविंद कुशवाहा, चेतन मीना, कार्यकर्ता व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

पुलिस ने 5 जुआरियों से जप्त किए 5650 रूपए

तेंदूखेड़ा। ग्राम झलौन में आरोग्य केंद्र के पीछे तेंदूखेड़ा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर छापा मारा इस दौरान एक दर्जन लोग जुंआ खेल रहे थे पुलिस को देखते ही मौके से कुछ लोग भाग निकले लेकिन पुलिस ने 5 लोगों को पकड़ लिया जुआरियों से 5 हजार 650 रूपए एवं ताष की गड्डी जप्त की हैं साथ ही सभी आरोपियों पर जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया हैं कार्यवाही के दौरान प्रधान आरक्षक ब्रजेष तिवारी, आरक्षक नंदलाल कुर्मी, भूपेंद्र, अजय ठाकुर शामिल रहे।

नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने किया पदभार ग्रहण

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले की नवनियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति पवन शुक्ला द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ,श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं भारत माता के चित्रों पर माल्या अर्पण कर पदभार ग्रहण किया गया। जिसके उपरांत नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का पार्टी जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने किया भव्य अभिनंदन किया गया। इस मौरे पर जिले के जनप्रतिनिधियो एवं पदाधिकारियों के साथ-साथ जिले भर से आये कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्रीमति शुक्ला का फूल मालाओं तथा अंग वस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया तथा उनको शुभकामनाएं देते हुए तथा उनके आगामी कार्यकाल के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष को हर तरह के सहयोग के लिए उनके साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने कहा कि आपको मैं कई बरसों से जानता हूं और आप एक संगठन की निष्ठावान कार्यकर्ता है।

साइबर सेल ने मोबाइल मालिकों को गुम हुए मोबाइल फ़ोन लौटाए

जनवरी से दिसंबर 2024 तक पुलिस ने करीब 30 लाख रुपए के मोबाइल बरामद किए थे

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन में सायबर सेल द्वारा मोबाइल गुम होने संबंधी प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही करते हुए सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से प्राप्त एवं थाना स्तर पर प्राप्त शिकायतों में विभिन्न कम्पनियों के कुल 192 मोबाइलों को ट्रेस कर बरामद किया।

सायबर सेल टीम ने माह जनवरी से दिसम्बर 2024 तक लगभग 30,00,000 लाख रूपये कीमत के 192 मोबाइल बरामद किये जो कि एप्पल, सेमसंग, वनप्लस, ओप्पो, वीवो, पोको, टेक्नो, रेडमी, रीयलमी, एमआई आदि कंपनियों के है।

उक्त मोबाइलों को नर्मदापुरम पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों व सायबर सेल की टीम द्वारा मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया गया। उक्त सभी मोबाइलों को नर्मदापुरम, बैतुल, सीहोर, रायसेन आदि जिलों से ट्रेस कर बरामद किये गये थे। जिनके मोबाइल गुम हुये थे, उनमें रिटायर्ड आर्मी ऑफीसर, डॉक्टर, एडवोकेट, शिक्षक, विद्यार्थी, घरों में काम करने वाली महिलाएं, दिहाड़ी मजदूर शासकीय कर्मचारी, व्यापारी आदि मोबाइल धारक थे। मोबाइल वापस मिलने पर सभी मोबाइल धारकों के वेहरे पर पुनः मुस्कान लौट आई। सभी मोबाइल मालिकों द्वारा मोबाइलों के वापस मिलने पर पुलिस अधिकारियों एवं सायबर सेल की टीम का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम ने सायबर सेल टीम द्वारा की गई कार्यवाही की सराहना की। उक्त कार्यवाही में सायबर सेल नर्मदापुरम में पदस्थ आर. अभिषेक नरवरिया, आर. संदीप यदुवंशी एवं आर. दीपेश सोलंकी की सराहनीय भूमिका रही।

मेट्रो एंकर विस्थापन का लाभ देने के लिए बनाई जाएगी कमेटी

आदिवासियों की मांग के आगे प्रशासन को भी झुकना पड़ा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पचमढ़ी के पनारपानी गेट में हमारा गाँव संगठन के बैनर तले चार गाँव के आदिवासी विगत आठ दिन से धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों के सामने प्रशासन को झुकना पड़ा । शुक्रवार को आठवे दिन दोनों पक्ष में बातचीत के पश्चात प्रशासन ने माना कि धरने पर बैठे समस्त लोगों के दस्तावेज जाँच करके उन्हें विस्थापन का लाभ देंगे।

एसडीएम पिपरिया अनिशा श्रीवास्तव की निगरानी में एक जाँच कमेटी बनायी जायेगी। जिसमें दस्तावेज जाँच हेतु ग्रामीणो का प्रतिनिधित्व करने हेतु चार सदस्य दुर्गेश धुर्वे, शुभम दर्शिमा, कमलसिंह, इन्दलसिंह को जाँच कमेटी में शामिल किया, जो सतत निगरानी करेंगे।

जाँच कमेटी में तहसीलदार, असिस्टेंट डायरेक्टर, रेंजर, जनपद सीईओ पिपरिया सहित अन्य अधिकारी शामिल रहेंगे ।

10-10 लोगो को बुलाकर दस्तावेज की जाँच करेंगे

दस्तावेज देखने के लिए सोमवार से विशेष शिविर का आयोजन करके 10-10 लोगो को बुलाकर दस्तावेज की जाँच करेंगे और पात्र लोगो को विस्थापन का लाभ देने की कार्यवाही करेंगे ।

आंदोलन में ये रहे मौजूद

आंदोलन में कोरकू समाज के अध्यक्ष नर्मदाप्रसाद नागले, पिपरिया ब्लॉक संयोजक शुभम् दर्शिमा, प्रभारी मंजे सोलंकी, नीलू दर्शिमा, लखवीर सिंह, मनोज कलम, कलावती, महेंद्र, कमलसिंह, लीलादेवी, पूजा कलम, राजकुमार भारती, अजय सिंह ठाकुर, सविता ठाकुर, आशा ठाकुर, प्रेमलता, शीतल, आशा काजले, सुषमा, विजय शीलू, भैयलाल, मोकल सहित सेंकडो ग्रामीण उपस्थित रहे।

हमारा गाँव संगठन के प्रदेश संयोजक दुर्गेश धुर्वे ने कहा यदि इस जाँच के दौरान किसी के साथ अन्याय होता है या किसी भी प्रकार की लापरवाही किया गया तो अगली बार ज़िला कलेक्टर कार्यालय का घेराव करके घेरा डालो डेरा डालो आंदोलन किया जायेगा ।

सेमलखेड़ी,चकना, भोजपुर में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी नल जल योजना

धराशाई होने की कगार पर पहुचरा जल मिशन 3 साल में ही !

- अधिकारियों की सांठ गांठ से ठेकेदारों ने जल मिशन में किया करोड़ों का भ्रष्टाचार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज तहसील में राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजना के कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं। क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेमल खेड़ी एवं उसके अंतर्गत आने वाले गांव चकना, भोजपुर में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है। ठेकेदार ने स्थानीय अधिकारियों के साथ मिली भगत कर सरकार की इतनी महत्वपूर्ण योजना को धरातल पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया।

यही वजह है कि 3 साल पूर्व डाली गई पाइपलाइन से आज भी ग्रामीणों को पानी नहीं मिल पा रहा है। जबकि स्वर्गीय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के समय 2003- 04 में चालू की गई नल जल योजना आज भी सेमलखेड़ी गांव में संचालित हो रही है।

लेकिन इसी गांव में तीन वर्ष पूर्व लाखों रुपए खर्च कर ठेकेदार द्वारा जो लाइन बिछाई गई है उसके माध्यम से एक भी दिन गांव के लोगों को पानी नहीं मिला है।जबकि यह योजना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जल मिशन के तहत देश की प्रमुख योजना है इतनी सख्त और कठोर निर्णय के लिए जाने जाने वाले देश के प्रधानमंत्री की योजना को स्थानीय अधिकारी ठेकेदारों के साथ मिली भगत कर किस तरह भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं इसकी यह एक बानगी मात्र है।

क्योंकि करीब 20 साल पूर्व चालू हुई योजना आज भी यथावत संचालित हो रही है जबकि 3 वर्ष पूर्व चालू की गई योजना एक दिन भी सही से नल से जल के माध्यम से लोगों को पानी उपलब्ध नहीं कर सकी।

शुरू होने से पहले ही जमीनी स्तर पर धरा शाही हो गई। जब गांव में पानी ही नहीं था तो फिर लाइन क्यों बिछाई गई इस तरह के कई

सवाल खड़े हो रहे हैं और जो लाइन बिछाई गई है उसमें भी घटिया पाइपलाइन के साथ पाइपलाइन ऊपर ही लड़ाई गई है जिससे कि कभी भी क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी हुई है कई जगह क्षतिग्रस्त भी हो चुकी है इसके अलावा ग्रामीणों को ठेकेदार द्वारा सरकार की योजना के तहत घर के बाहर या अंदर या बाहर विधिवत नल कनेक्शन देना था लेकिन कहीं भी ऐसी स्थिति देखने को नहीं मिली है।

हर जगह बड़ी पाइपलाइन से लाइन बिछाकर दरवाजे के बाहर ऐसे ही छोड़ दी और लाखों रुपए की राशि निकाल ली बड़े स्तर का भ्रष्टाचार हुआ है।

चकना और भोजपुर की स्थिति भी खराब -

सेमलखेड़ी गांव के अलावा पंचायत के अन्य गांव चकना और भोजपुर की स्थिति भी खराब है लोगों को जनवरी के महीने में ही पानी नहीं मिल रहा है। जबकि गांव में जो ट्यूबवेल लगा है उसमें पानी ही नहीं है, यदि जनवरी में पानी नहीं है तो फिर अप्रैल और मई की तपतपाती गर्मी में गांव के लोगों को कैसे पानी मिलेगा।

जबकि करोड़ों रुपए की राशि खर्च कर गांव में जल मिशन के तहत नल जल योजना के माध्यम से लाइन बिछाई जा रही है। समवैल, पंपहाउस, ट्यूबवेल, बिजली, सहित अनेक व्यवस्थाओं के लिए लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर दिए। लेकिन लोगों को फिर भी पानी नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि इसका प्रमुख कारण घटिया कार्य एवं अव्यवस्थाओं का अंबार है। यही वजह है कि भ्रष्टाचारियों ने पूरी योजना को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया ना ही कोई रोड मैप है ना कोई तैयारी सिर्फ कागजों मैं ही खानापूर्ति दिखाई दे रही है।

नल कनेक्शनों की संख्या और गुणवत्ता में भी भ्रष्टाचार -

इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा पीएचई विभाग को कई करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया है। करोड़ों का बजट आने के बाद भी ठेकेदारों द्वारा घटिया स्तर की पाइप लाइन का उपयोग गांवों में पानी की लाइन बिछाने के लिए किया गया हैं।

वही इन गांवों में पीतल की बजाए प्लास्टिक के नोजल लगाए गए हैं। इसी तरह कुछ स्टेंड पोस्ट लगाकर सैकड़ो की तादाद में बताए गए हैं, जिनके बिल भी लगाए गए हैं। जबकि जमीनी स्तर पर सिर्फ ऐसे ही मुख्य पाइप लाइन से नल कनेक्शन की लाइन जोड़ी गई है।

जिसमें टोंटियां तक नहीं लगाई गई है। वही घरों की ओर दिए गए नल कनेक्शनों को भी सीमेंट में गाड़े जाने की बजाए पाइप का टुकड़ा लगाकर औपचारिकताएं पूरी कर दी गई हैं।

करोड़ों खर्च के बावजूद 3 वर्ष बाद भी नहीं आ सका नल से जल -

नल जल योजना के तहत ठेकेदार द्वारा करीब 3 वर्ष पूर्व पाइप लाइन बिछाकर कागजों में ही काम कंप्लीट कर लिया। जबकि अधिकांश लोगों को तो अभी नल कनेक्शन भी नहीं मिले हैं। और जिन लोगों को नल कनेक्शन मिल गए हैं उन्हें आज भी घर पर पानी आने का इंतजार है। यह स्थिति सिर्फ सेमल खेड़ी पंचायत के अंतर्गत आने वाले गांव सेमलखेड़ी, चकना, भोजपुर की ही नहीं है क्षेत्र के अन्य गांव नरखेड़ जागीर, बमोरी साला, जगथर की स्थिति भी यही है सभी में जांच की आवश्यकता है।

इनका कहना है

20 साल पहले जिम योजना के माध्यम से नल जल योजना प्रारंभ की गई थी। वह आज भी चालू है, लेकिन इसी बीच दो-तीन वर्ष पूर्व जिस योजना के तहत पाइपलाइन बिछाई गई है। उसमें भारी भ्रष्टाचार हुआ है। एक दिन भी गांव के लोगों को पानी नहीं मिल सका है। कागजों में ही योजना चल रही होगी।

– इकबाल खान ग्रामीण,

अधिकारी और ठेकेदार ने मिलकर हमारे गांव में संचालित पूर्व की योजना को मटियामेट कर दिया और जो पाइपलाइन ओर नल कनेक्शन लगाए गए हैं, उसमें भी घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। इसके अलावा पुरानी नल जल योजना को भी कई जगह क्षतिग्रस्त कर दिया है। जिसकी वजह से अब गांव के लोगों को अन्य परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। कई बार शिकायत के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

– बटनलाल ग्रामीण

यदि सेमलखेड़ी में नल जल योजना में भ्रष्टाचार हुआ है, तो हम इसकी विधिवत जांच कराएंगे जो भी कमियां पाई जाएंगी। उन्हें सही कराया जाएगा। इसके अलावा गड़बड़ी की गई है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

– यशवंत सिंह सिरोही
एसडीओ पीएचई

स्वामित्व योजना अधिकांश पटवारी नहीं जाते गांव-गांव, कई पत्र रह सकते हैं वंचित

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

दिन भर स्वामित्व योजना के हितग्राहियों की पहचान और रिकॉर्ड में इनके नाम दर्ज करने के लिए तहसीलदार से लेकर पटवारी लगे हुए थे। विकासखंड हितग्राहियों के 6000 के करीब पात्र लोगों को स्वयं का मकान होने का प्रमाण-पत्र आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा लाइव कार्यक्रम के माध्यम दिया जाएगा । इसके लिए कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम तहसीलदार और पूरा अमला पिछले कई दिनों से दिन-रत रिकॉर्ड खंगाल कर इनकी पहचान करने में लगा हुआ था तब जाकर उनकी पहचान हो पाई है।

इन्होंने आवास तो बना लिए थे। पर उक्त भूमि पर इनका नामांकित नहीं था आज से इनको इसका अधिकार भी मिल जाएगा । इस काम को करने के लिए पिछले कई दिनों से शासन के निर्देश पर अभियान चलाकर धरातल पर काम किया जा रहा था तब जाकर इनकी पहचान हो पाई है। शनिवार को विकासखंड के 72 ग्रामों के 6 हजार लोगों को स्वामित्व का प्रमाण पत्र मिलेगा इससे पहले इनके आवास तो इस जमीन पर बने हुए थे। लेकिन इनके पास इसका प्रमाण पत्र राजस्व के रिकॉर्ड में नहीं दिया गया था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तथा मुख्यमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को मलिक हक देने के लिए शासन के द्वारा स्वामित्व योजना के तहत अभियान प्रारंभ किया है। तहसीलदार संजय चौरसिया ने बताया कि विकासखंड के 72 ग्रामों में के 6000 के करीब हितग्राही को आज स्वामित्व का प्रमाण पत्र लाइव कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री जारी करेंगे इस काम को करने के लिए शासन के निर्देशों पर स्वामित्व योजना के अंतर्गत विशेष अभियान राजस्व विभाग के संचालित किया जा रहा था। पिछले कुछ दिनों से प्रतिदिन स्वामित्व योजना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एसडीएम से लेकर तहसीलदार बैठक लेकर सभी पटवारी से ऐसे लोगों की पहचान करवा कर उनको प्रमाण पत्र रिकॉर्ड में देने के लिए पिछले कई दिनों से ऐसे हितग्राहियों को चयनित करने के लिए इनको गांव-गांव भेजकर इस कार्य को करवा रहे थे ।तब जाकर विकासखंड में हितग्राहियों की पहचान हो करने के उपरांत सहज घर हजार हितग्राहियों के नाम रिकॉर्ड में दर्ज करके काम करवाया जा रहा था।

शनिवार को भी एसडीएम हर्षल चौधरी तहसीलदार संजय चौरसिया दिन बारिश कामको करवाने के लिए अधीनस्थ हमले को दिशानिर्देश दे तेरा ही एक दिन पहले बी में भी बी के माध्यम से कलेक्टर ने 7त्र कार्य स्वामित्व योजना के महत्वपूर्ण करने के लिए सत्य निर्देश दिए थे ।तब जाकर उनकी संख्या इतनी पहुंच पाई अभी भी कई हितग्राहियों के नाम वंचित रह जाएंगे।

इनका कहना है

विकासखंड 72 ग्रामों के 6000 हजार हितग्राही को स्वामित्व योजना अंतर्गत प्रमाण-पत्र मिलेंगे।

-संजय चौरसिया , तहसीलदार

अधिकांश पटवारी नहीं जाते हल्का मुख्यालय पर

शासन के द्वारा पटवारी की तैनाती हल्का पटवारी के हिसाब से की गई है उनका मुख्यालय भी वहीं पर होना चाहिए पर अधिकांश पटवारी तहसील मुख्यालय पर कार्यालय खोलकर इस काम को अंजाम दे रहे, कुछ पटवारी तो ऐसे हैं कि जो फोन और ग्रुपों के माध्यम से अपने काम को करके खानापूर्ति करते हैं। इस वजह से गरीब वर्ग के पात्र हितग्राहियों कई बार शासन की योजना से वंचित रहते हैं। जबकि इनको इस काम के लिए शासन से मोती वेतन मिलती है इसके बाद भी कभी कभार ही मुख्यालय जाते हैं। वैसे इनको यह काम धरातल करना चाहिए पर उसके उल्टा यहां शहर में बैठकर तहसील मुख्यालय मैं ही इन्होंने अपने-अपने मुख्यालय बना लए है इस वजह से हर व्यक्ति को इसकी जानकारी नहीं मिल पाती है। इस समय अधिकांश पटवारी मोबाइलों के माध्यम से ग्रुपों में सूचना डालकर खाना पूर्ति कर देते हैं।

50 हेक्टर चरनोई की भूमि हुई अब तक खाली देवी टोरी में दो हेक्टेयर जमीन कराई खाली

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव के द्वारा गौ माता के हित महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए चरनोई की भूमि अतिक्रमण धारियों से मुक्त करकर यहां भूमि गौशालाओं का संचालन करने वाली समिति को देने के निर्देश दिए जिससे कि गौशालाओं में रहने वाली गौ माता को चरने के लिए उचित खाली स्थान मिल सके इसके संबंध में दिशा निर्देश भी जारी हुए हैं। जिस गति से काम धरातल पर होना चाहिए उस गति से नहीं हो रहा विकासखंड में 1500 सौ हेक्टर के करीब सरकारी चरनोई की भूमि है जिसमें से मात्र भी 50 हेक्टर के करीब ही प्रशासन

के अधिकारी लोगों से खाली सके इसमें से सब छोटे-छोटे लोग हैं बड़ी मछलियों पर तो अभी अधिकारी हाथ भी नहीं डाल पाए हैं। क्योंकि इनको कहीं ना कहीं राजनीतिक संरक्षण प्राप्त या फिर कुछ राजनीतिक लोग भी उक्त उक्त जमीन को जोत रहे इस वजह से इनसे चरनोई की भूमि खाली करवाने के लिए अधिकारियों को भी एड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ेगा तभी ही इसे खाली होगी क्योंकि यह लोग इतने बेशर्म है कि मुख्यमंत्री की अपील के बाद भी राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों गौ माता की जमीन छोड़ने को तैयार नहीं दिख रहा है। इसमें अधिकांश ऐसे दबंग लोग हैं जो सत्ता पक्ष से नाता रखते हैं कई लोग राजनीतिक लोगों से जुड़े होने का फायदा उठाकर जमीन छोड़ने को तैयार नहीं हो रहे है। तहसीलदार संजय चौरसिया ने बताया की निरंतर चरनोई की भूमि खाली करवाने के लिए कार्रवाई की जा रही है देवी टोरी से दो हेक्टेयर जमीन खाली कराई गई है।

करुणा गौ रथ गली मोहल्लों से गौ माता को उपचार के लिए ले जाने का कर रहा है काम

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज फोटो नंबर

सिरोंज। गौ सेवा करने के लिए युवाओं की टीम बिना किसी स्वार्थ के सच्चे मन से गौ सेवा के लिए काम कर रही है। दिन रात लगी हुई है अपना काम भी करते हैं और गौ सेवा के लिए भी समय निकालते हैं। सर्दी का सितम अधिक होने से गौ माता कई तरह की बीमारियों पीड़ित हो रही है इसके चलते करुणा रथ शहर की गली मोहल्ले में पहुंचे इन मवेशियों के इलाज के लिए ले जाने का काम

कर रही है। समिति के सदस्य अंकुर जैन ने बताया कि मदन मोहन सरकार मंदिर जी वाली गली ने से एक बैल जो सर्दी से पीड़ित था उसको करुणा रथ से गौशाला लाया गया इसी तरह एक दिन पहले 3 गायों का भी करुणा रथ से रेस्क्यू करा था.. सभी सर्दी व कमजोरी के चलते खड़े होने में असमर्थ थी.. डॉक्टर ने बताया कि कमज़ोरी की वजह से सर्दियों में पशुओं में मल्टी ऑर्गन फैलियर के केस बहुत ज्यादा पाए जाते है। जिसमें रिकवरी में चांसेस बहुत कम रहते है. इसलिए सभी से अनुरोध है कि अपने आस पास के पशुओं को सर्दी व भूखे रहने से बचाएं।

मेट्रो एंकर कुछ महीने से गायब रही बाघिन राधा मूवमेंट भी आया नजर टाइगर रिजर्व में 6 साल में 23 से बढ़कर 26-27 तक कुनबा पहुंचने की उम्मीद

टाइगर रिजर्व में मिले नन्हे शावकों के पगमार्क, 3-4 शावकों के आगमन की उम्मीद

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर टाइगर रिजर्व में भी बाघों का कुनबा तेजी से बढ़ रहा है। वर्ष 2001 से 2015 तक में यह बाघविहीन हो गया था। इसके बाद बाघों के उजड़ चुके संसार को फिर से आबाद करने के लिए बाघ पुनर्स्थापन कार्यक्रम शुरू किया गया। इसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इस तरह वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व एक उदाहरण बन चुका है जिसने शून्य से यह गौरवशाली मुकाम हासिल किया है। यहां पर 6 साल पहले 2018 में बाघों को बसाने की शुरूआत करते हुए एक- एक बाघ-बाघिन को छोड़ा गया था। जिसके बाद वर्तमान स्थिति में बाघों की संख्या बढ़कर 23 पर पहुंच गई हैं

टाइगर रिजर्व में नए साल की शुरूआत में ही खुशखबरी मिली है यहां वन अमले को नन्हे शावकों को पगमार्क मिले हैं, जिनकी संख्या 3 से 4 होने का अनुमान लगाया जा रहा है। यह शावक किस बाघिन से जन्मे है फिलहाल यह तो स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन चर्चा है कि नौरादेही की महारानी कही जाने वाली बाघिन एन-1 यानी राधा ने ही इन शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही अब यहां बाघों की संख्या 23 से बढ़कर 26 से 27 हो गई है बाघिन एन-1 राधा अक्टूबर-नवंबर 2024 में गायब हो गई थी वह न तो वन क्षेत्र में लगे ट्रैप कैमरों में कैद हो रही थी और न ही वन अमले को उसका मूवमेंट नजर आ रहा था, लेकिन अब बाघिन राधा का मूवमेंट भी वन अमले को नजर आने

लगा है। बताया जा रहा है कि बाघिन राधा इसलिए नजर नहीं आ रही होगी क्योंकि उसने शावकों को जन्म दिया था। 2023 तक नौरादेही अभयारण्य कहे जाने वाले वीरांगना टाइगर रिजर्व को कान्हा से लाई गई बाघिन एन-1 यानी राधा ने ही गुलजार किया है। 2018 में पहले राधा और उसके बाद बांधवगढ़ से बाघ किशन को नौरादेही में छोड़ा गया था।

बाघों का सबसे बड़ा कोर एरिया

वहीं टाइगर रिजर्व में देशी सैलानियों का भी रुझान बढ़ा है। इस टाइगर रिजर्व की खासियत है कि दोनों सेंचुरी के कोर एरिया के बाघों की संख्या मिला दी जाए तो यहां 20 से 25 बाघों का मूवमेंट है यह प्रदेश का एकमात्र टाइगर रिजर्व है, जिसका कोर एरिया 1414 वर्ग किमी और बफर जोन 925 वर्ग किमी का होगा। कुल एरिया कुल 2339 वर्ग किमी है।

संरक्षण, आबोहवा और अनुकूल पर्यावास

यहां के अनुकूल पर्यावास, घने-छिछले जंगल और पर्याप्त आहार ने बाघों को संरक्षण दिया नतीजा अब बाघ राधा किशन के कुनबे में बाघों की संख्या 23 से बढ़कर 26 से27पहुंच गई है यहां बाघ इतने सुरक्षित हैं कि शिकार की एक भी कोशिश नहीं हुई है डेढ़ वर्ष पहले टेरिटोरियल फाइट में बाघ किशन के मारे जाने की घटना को छोड़ दें तो अब तक बाघों में संघर्ष या उनके साथ कोई अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई है। प्रमुख रेंजों के बीच प्राकृतिक कॉरीडोर बनाता है। जिससे पन्ना, बांधवगढ़, सतपुड़ा और सिवनी का पेंच रिजर्व आपस में एक-दूसरे से जुड़ता है।

बाघों के लिए अनुकूल

वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र के वनों की स्थिति बाघों के लिए बेहद अनुकूल है। दशकों से यहां बाघों का डेरा रहा है पेजयल से लेकर शिकार की सुगमता और रहने के लिए गुफाएं और पहाड़ों के बीच चट्टान जैसे प्राकृतिक आवास तक, एक साथ होने के कारण अन्य टाइगर रिजर्व के भी बाघ यहां पहुंच जाते हैं।

एन-111 व 112 ने भी बढ़ाया कुनबा

बाघिन राधा ने सबसे पहले तीन शवकों को जन्म दिया था, जिसमें एक नर व दो मादा शामिल थीं। पिछले 6 सालों में राधा से जन्मीं बाघिन एन-111 और एन-112 भी 4-4 शावकों को जन्म दे चुकी हैं। इसके पहले नवंबर-2023 में बाघिन एन-112 अपने 4 शावकों के साथ नजर आई थी, जिन्हें अब 15 से 16 माह का होना बताया जा रहा है।

सभी 6 रेंज में घूम रहे बाघ

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में कुल 6 रेंज है और इन सभी रेंज में बाघ विचरण कर रहे हैं। वन विभाग को सभी रेंज में मिले बाघों के पदचिन्ह इसकी पुष्टि कर रहे हैं। 3 साल से सफारी भी शुरू हो गई है। बाघों के लिए अनुकूल बने टाइगर रिजर्व में अब और ज्यादा बाघों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है

पगमार्क मिले हैं

जंगल में शावकों के पगमार्क मिलने की जानकारी अमले से मिली है, लेकिन जब तक की शावकों का मूवमेंट कैमरे में कैद नहीं हो जाता तब तक पुष्टि नहीं की जा सकती, अमला सक्रिय है

-डॉ. एए अंसारी, उप संचालक, टाइगर रिजर्व

अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप आज से, पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के बीच खेला जाएगा

भारत ने जीता था पहला टाइटल, इस बार 16 टीमें खेल रहीं हैं

कुआलालंपुर.एजेंसी

आज से अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप शुरू हो रहा है। आईसीसी के इस टूर्नामेंट का पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के बीच से शुरू होगा। 2023 में इस टूर्नामेंट का पहला खिताब भारत ने जीता था। मलेशिया में 16 दिन चलने वाली प्रतियोगिता में 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इस सीजन में टूर्नामेंट के 41 मुकाबले 4 वेन्यू पर खेले जाएंगे। भारत का पहला मुकाबला 19 जनवरी को वेस्टइंडीज से होगा। 2 फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। बता दें इस टूर्नामेंट का आयोजन 2023 में भी हुआ था। तब साउथ अफ्रीका में आयोजित इस प्रतियोगिता में 16 टीमों ने हिस्सा लिया था। भारत ने फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराते हुए पहला खिताब जीता था।

टीम इंडिया को ग्रुप-ए में रखा गया है। इस ग्रुप के सभी मुकाबले सेलान्गोर के बायुमास ओवल मैदान पर खेले जाएंगे। यहीं, फाइनल भी खेला जाएगा। ग्रुप-ए के अलावा, डाटो स्टेडियम में ग्रुप-बी, सारावाक के बोरनिओ क्रिकेट ग्राउंड पर ग्रुप-सी और सेलान्गोर के ही यूकेएम वीएसडी ओवल स्टेडियम में ग्रुप-डी के मैच होंगे। यह टूर्नामेंट लीग कम सुपर-6 फॉर्मेट पर खेला जाएगा। इसके लिए 16 टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया है। हर लीग ग्रुप में 4-4 टीमें हैं, ग्रुप स्टेज में सभी टीमें 3-3 मैच खेलेंगी। हर ग्रुप की टॉप-3 टीमें सुपर-6 स्टेज में प्रवेश करेंगी। सुपर-6 स्टेज 25 जनवरी से शुरू होगा। यहां 2 ग्रुप में कुल 12 टीमें रहेंगी। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमों के बीच 30 और 31 जनवरी को 2 सेमीफाइनल खेले जाएंगे, जिनकी विजेता टीमों के बीच 2 फरवरी को फाइनल होगा। समोआ की टीम पहली बार कोई वर्ल्ड कप खेल रही है। उसे ग्रुप-सी में न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और अफ्रीकन क्वालिफायर टीम के साथ रखा गया है। मलेशिया भी पहला वर्ल्ड कप खेल रहा है। निकी प्रसाद को भारत की अंडर-19 विमेंस टीम का कप्तान बनाया गया है। निकी को विमेंस प्रीमियर लीग के लिए दिल्ली कैपिटल्स ने अपने साथ जोड़ा है। अंडर-19 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम इसप्रकार है- निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके (उप-कप्तान), जी त्रिशा, कमलिनी जी (विकेटकीपर), भाविका अहिरे (विकेटकीपर), ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशीता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, वैष्णवी एस।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान आज, शमी की वापसी संभव

जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव का चयन फिटनेस पर निर्भर करेगा

नईदिल्ली, एजेंसी

आज चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान होगा। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा टीम का ऐलान करेंगे। भारतीय टीम में मोहम्मद शमी की वापसी हो सकती है, जबकि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव का चयन फिटनेस पर निर्भर करेगा। बीसीसीआई को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस रिपोर्ट आने का इंतजार था। ऑस्ट्रेलिया दौरे में सिडनी टेस्ट के दौरान उनकी पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आया था। बुमराह के अलावा, मोहम्मद शमी इंजरी से वापसी कर रहे हैं। वहीं, कुलदीप यादव ने पिछले दिनों सर्जरी कराई थी।

बांग्लादेश के खिलाफ पहला मैच खेलेगा भारत भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपना पहला मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। यह मुकाबला 20 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम का दूसरा मुकाबला 23 फरवरी को पाकिस्तान और तीसरा मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होगा। भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टूर्नामेंट के 2 सेमीफाइनल 4 और 5 मार्च को होंगे। वहीं, 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

19 फरवरी से 9 मार्च के बीच यूएई और पाकिस्तान होंगे मुकाबले

चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान और यूएई के 4 शहरों में होना है। इनमें लाहौर, कराची, रावलपिंडी और दुबई शामिल हैं। भारतीय टीम के सभी मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। वनडे वर्ल्ड कप के 11 खिलाड़ियों का चयन तय भारतीय टीम में 2023 वनडे वर्ल्ड कप खेलने वाले 11 खिलाड़ियों का चुना जाना तय है। इनमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल जैसे नाम हैं। वहीं, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशान, शार्दूल ठाकुर और रविचंद्रन अश्विन इस टीम से बाहर हो सकते हैं। अश्विन रिटायर हो चुके हैं। शार्दूल को गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद से टीम में नहीं चुना गया। दूसरी ओर, सूर्या और ईशान खराब फॉर्म और व्यवहार के कारण वनडे टीम से अपना पत्ता कटवा चुके हैं। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को इन खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट तलाशने होंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत का पॉसिबल स्क्वॉड

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या , रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: बोपन्ना की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स के दूसरे राउंड में

अल्कराज ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को हराया, ज्वेरेव सीधे सेटों में जीते

दुबई. एजेंसी

रोहन बोपन्ना और उनकी चीनी जोड़ीदार शुआई झांग ने मेलबर्न में इवान डोडिग और क्रिस्टीना म्लादेनोविच पर 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की। भारत के रोहन बोपन्ना और उनकी चीनी जोड़ीदार शुआई झांग शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिक्स्ड डबल्स के दूसरे राउंड में पहुंच गए। 4 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन कार्लोस अल्काराज भी जीत के साथ मेंस सिंग्ल्स के चौथे दौर में पहुंच गए हैं।

स्पेन के तीसरे सीड खिलाड़ी अल्काराज ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को कड़े मुकाबले में 6-2, 6-4, 6-7, 6-2 से हराया। वहीं, जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने तीसरे दौर में सीधे सेटों में जीत दर्ज की। बोपन्ना की जोड़ी सीधे सेटों में जीती भारतीय स्टार रोहन बोपन्ना और उनकी चीनी जोड़ीदार शुआई झांग ने मेलबर्न में इवान डोडिग और क्रिस्टीना म्लादेनोविच पर 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला एक घंटे 12 मिनट तक चला। वहीं, बोपन्ना मेंस डबल्स के पहले राउंड में ही हार कर बाहर हो गए थे।

ज्वेरेव ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे दूसरे सीड एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शुक्रवार को तीसरे दौर में ब्रिटेन के जैकब फर्नली को सीधे सेटों में हरा दिया। इसके साथ वे चौथे राउंड में पहुंच गए। 27 साल के जर्मन खिलाड़ी ने मागरिट कोर्ट एरिना में जैकब को 2 घंटे 2 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-4, 6-4 से हराया। यह ज्वेरेव की 28वीं ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत है। यह ज्वेरेव की 28वीं ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत है।

मेट्रो बाजार

मारुति ने इलेक्ट्रिक कार पेश की, फुल चार्ज पर 500 किमी चलेगी

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो शुरू हो गया है। इसमें आज मारुति ने अपनी पहले इलेक्ट्रिक कार ई विटारा का रिवील (पेश) किया है। कंपनी के अनुसार ये कार खुल चार्ज पर 500 किलोमीटर से ज्यादा चलेगी। एक्सपो 2025 में पहली बार 34 ऑटोमोबाइल कंपनियां शामिल हो रही हैं। 1986 में आयोजित ऑटो एक्सपो के पहले एडिशन के बाद से ये संख्या सबसे ज्यादा है। इस एक्सपो का ऑफिशियल नाम द मोटर शो है। प्रधानमंत्री ने इवेंट का उद्घाटन किया। उन्होंने एक्सपो में संबोधित करते हुए रतन टाटा और ओसामु सुजुकी को याद किया। उन्होंने कहा - भारत की ऑटो इंटस्ट्री फंटास्टिक भी है और फ्यूचर रेडी भी है। मैं आज रतन टाटा और ओसामू सुजुकी को भी याद करूंगा। भारतीय ऑटो सेक्टर की ग्रोथ और मिडिल क्लास के सपने को पूरा करने में इन दोनों महानुभावों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस साल भारत मोबिलिटी एक्सपो का दायरा काफी बढ़ गया है। पिछली बार 800 से ज्यादा एग्जीबिटर्स ने शामिल हुए थे और 1.5 लाख से ज्यादा लोगों ने विजिट किया। इस बार भारत मंडपम के साथ-साथ द्वारका के यशोभूमि और ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में भी ये एक्सपो चल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा - आने वाले 5-6 दिनों में बहुत बड़ी संख्या में लोग यहां आएंगे। अनेक नई गाड़ियां भी यहां लॉन्च होने वाली हैं। ये दिखाता है कि भारत में मोबिलिटी के भविष्य को लेकर कितनी पॉजिटिविटी है।

प्रधानमंत्री ने कहा - आने वाले 5-6 दिनों में बहुत बड़ी संख्या में लोग यहां आएंगे। अनेक नई गाड़ियां भी यहां लॉन्च होने वाली हैं। ये दिखाता है कि भारत में मोबिलिटी के भविष्य को लेकर कितनी पॉजिटिविटी है। कभी भारत में गाड़ियां न खरीदने का एक कारण अच्छी और चौड़ी सड़कों का अभाव था। पिछले साल के बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रखे गए थे। आज भारत में मल्टी लेन हाईवे का, एक्सप्रेसवे का जाल बिछ रहा है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, एक्सपो में मारुति सुजुकी, हुंडई, मर्सडीज समेत कई बड़े ब्रांड अपने नए मॉडल शोकेज करेंगे। यह भारत मोबिलिटी का दूसरा और ऑटो एक्सपो मोटर शो का 17वां एडिशन है, जो 22 जनवरी तक चलेगा। इवेंट में इस बार कंपनियों का फोकस इलेक्ट्रिक गाड़ियों को पेश करने पर है।

रिपोर्ट: पर्सनल लोन में गिरावट आने से परिवारों पर बैंक कर्ज घटा, जिससे बचत में हुआ सुधार

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय परिवारों की बचत वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही यानी अप्रेल से सितंबर के बीच काफी तेजी से बढ़ी है। मोतीलाल ओसवाल की इकोस्कोप रिपोर्ट के मुताबिक, पहली छमाही में परिवारों का नेट हाउसहोल्ड सेविंग देश की जीडीपी के 7.3 फीसदी बराबर पहुंच गया है, जो 2022-23 में 50 साल के सबसे निचले स्तर 5 फीसदी पर पहुंच गया था। आरबीआइ के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में नेट हाउसहोल्ड सेविंग 5.3 फीसदी रहा था और पिछले साल की पहली छमाही में यह केवल 3.7 फीसदी था। रिपोर्ट के मुताबिक, इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में परिवारों पर बैंक कर्ज घटना है। हैं। कुल कर्ज जीडीपी के 4.7 फीसदी के बराबर रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी का 6.9 फीसदी था। अनसिक्योर्ड लोन पर आरबीआइ की सख्ती के कारण बैंकों ने कम पर्सनल लोन बांटे हैं, जिससे लोगों पर कर्ज में गिरावट आई है। हालांकि बैंकों के गोल्ड लोन में सबसे अधिक 34.9 फीसदी की तेजी आई है। सेविंग बढ़ने के बावजूद परिवारों की वित्तीय देनदारी जीडीपी के 41त्न से बढ़कर 43.5 फीसदी हो गई।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

राकेश से ससुर ने कहा कोयला में ऋतिक को लो, तो जवाब दिया- बोलता तो है नहीं कुछ

रोशन परिवार की जिंदगी पर बनी डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशन्स नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज की रिलीज से पहले राकेश रोशन का सीरीज से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने वो किस्सा शेयर किया, जब उनके ससुर चाहते थे कि ऋतिक रोशन फिल्म कोयला में काम करें। हालांकि राकेश रोशन ने ऋतिक के चुप-चुप रहने का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया था। नेटफ्लिक्स इंडिया के यूट्यूब चैनल पर शेयर किए गए वीडियो में ऋतिक रोशन अपने पिता राकेश रोशन और चाचा राजेश रोशन के साथ फैमिली एल्बम देखते नजर आए हैं। पन्ने पलटाते हुए राकेश रोशन, हर तस्वीर से जुड़ा किस्सा सुनाते हैं। उन्होंने फिल्म कहो न प्यार है के सेट की एक तस्वीर दिखाई, जिसमें कोरियोग्राफर फराह खान ऋतिक रोशन के बाईसेप्स देखती नजर आई हैं। तस्वीर पर राकेश रोशन ने कहा कि मैं फराह को सीन समझा रहा था और वो इसके बाईसेप्स देख रही थी। आगे उन्होंने ऋतिक के उन दिनों की तस्वीर दिखाई, जब वो शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित स्टारर फिल्म कोयला में असिस्टेंट डायरेक्टर थे। सामने आई तस्वीर में ऋतिक पिता के साथ बैठे दिखे हैं। इस तस्वीर को देखते ही राकेश रोशन ने कहा, मेरे फादर-इन-लॉ ओम जी ने मुझसे कहा था कि इसे फिल्म में ले लो, मैंने कहा- डेडी ये कहां काम करेगा, बोलता तो है नहीं कुछ। चुपचाप रहता है। जवाब में राकेश रोशन के ससुर ने कहा था- ले ले, तेरे साथ चुपचाप रहता है, मेरे साथ बात करता है। वीडियो में राकेश रोशन ने आगे बताया है कि जब ऋतिक रोशन ने फिल्म कहो न प्यार है कि लिए पहला शॉट दिया तो वो एक्टिंग देखकर हैरान रह गए थे। बताते चलें कि अपकमिंग सीरीज द रोशन्स, रोशन परिवार की लीगेसी पर बनी एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज है। सीरीज में ऋतिक रोशन के दादाजी रोशन लाल नागरथ के म्यूजिक इंडस्ट्री में पकड़ बनाने से लेकर उनकी हर पीढ़ी की कहानी बताई जाने वाली है। बताते चलें कि उनके परिवार का सरनेम नागरथ था, जिसे बाद में ऋतिक के दादा जी के नाम पर रोशन किया गया था। रोशन लाल नागरथ ने लागा चुनरी में दाग, मुंगड़ा, जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा जैसे कई बेहतरीन गाने कंपोज किए हैं।

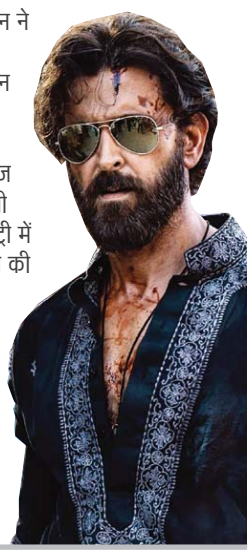

श्रेयस तलपड़े बोले- अटल जी का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात

कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म में श्रेयस तलपड़े भी हैं, जो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका में नजर आएंगे। ऐसे में श्रेयस तलपड़े ने एक इंटरव्यू में कहा कि अटल जी का किरदार निभाना उनके लिए बहुत सम्मान की बात है। उन्होंने बताया कि कंगना रनोट ने सबसे पहले मुझमें अटल जी का अक्स देखा और मुझसे संपर्क किया। फिर मैंने पूरी कहानी सुनी, स्क्रिप्ट पढ़ी और तैयार हो गया। अटल जी का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात रही, इसलिए न कहने का सवाल ही नहीं था। वे बताते हैं कि हम अटल जी को 90 के दशक से जानते हैं। खासकर 91 और 92 के आस-पास। उसके बाद उन्हें और अच्छे से जाना। लेकिन इससे पहले के उनके जीवन के बारे में कम लोगों को मालूम है। यह कहानी 70 के दशक, खासकर 75 के इमरजेंसी के समय की है, तो उस समय अटल जी कैसे थे? सबसे पहले मैंने इसके बारे में जानकारी ली और थोड़ी बहुत पढ़ाई की। इस दौरान कंगना ने भी मेरी काफी मदद की। मेरे ख्याल से दो बातें महत्वपूर्ण हैं। कंगना का रिसर्च और होमवर्क बहुत अच्छा था। वह हर छोटी-सी जानकारी को लेकर पूरी तरह से स्पष्ट थी। केवल अटल जी के किरदार को लेकर नहीं, बल्कि हर किरदार को लेकर श्रेयस का कहना है कि जब डायरेक्टर पूरी तैयारी के साथ आता है, तो एक्टर को भी काम करने में और भी ज्यादा मजा आता है। यही कंगना की सबसे बड़ी ताकत है। वह पूरी तरह से तैयार थीं, खासकर फिल्म के स्केल और इस तरह की कहानी के लिए। वह न सिर्फ इसे प्रोड्यूस कर रही थीं, बल्कि एक्टिंग भी कर रही थीं। उनकी इस तैयारी को देखकर मैं हैरान था और मुझे ऐसा महसूस हुआ कि उन्होंने एक ऐसी फिल्म बनाई है, जो इंटरनेशनल लेवल की है। जब आप इसे किसी बड़ी फिल्म से तुलना करेंगे, तो आपको एहसास होगा कि यह फिल्म सच में इंटरनेशनल है। उन्होंने बताया कि शूटिंग का अनुभव बहुत अच्छा रहा।

शक्ति कपूर के लिए पत्नी ने छोड़ा था फिल्मी करियर

शक्ति कपूर ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा एक हाउसवाइफ चाहिए थी और इसी कारण उनकी पत्नी शिवांगी ने अपना फिल्मी करियर छोड़ दिया। दरअसल, शक्ति कपूर ने एक्ट्रेस पद्मिनी कोल्हापुरे की बहन शिवांगी से शादी की थी। शिवांगी एक एक्ट्रेस और सिंगर थीं।

एक बातचीत के दौरान शक्ति कपूर ने फिल्म किस्मत के सेट पर पत्नी शिवांगी से पहली मुलाकात का किस्सा बताया। उन्होंने कहा, मैं उनसे (शिवांगी) मिला था, वह एक चाइल्ड आर्टिस्ट थीं। मैं फिल्म में एक बुजुर्ग का रोल निभा रहा था। वह मुझसे 12 साल छोटी हैं। हम मिले, प्यार हो गया और मैंने मन में सोचा मुझे इतनी घरेलू और खूबसूरत लड़की कहां मिलेगी। शक्ति कपूर ने कहा, एक दिन मैंने उनसे कहा कि मेरा काम डिस्टर्ब हो रहा है। मुझे फोकस करने की जरूरत है, तो वह गुस्सा हो गईं। मैं उनके पास गया और उनसे भीख मांगी। मैंने माफी मांगी और कहा कि मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं। साथ ही यह भी कहा कि मैं चाहता हूं कि वह हाउसवाइफ बनें। इसके बाद, हमने कोर्ट में शादी की। बाद में फिर परिवार ने भी हमारे रिश्ते को स्वीकार कर लिया। शक्ति कपूर ने फिर कहा, उन्होंने मेरे लिए अपना सिंगिंग करियर और बाकी सब कुछ छोड़ दिया। आज तक मैं हाथ जोड़कर उन्हें इसके लिए धन्यवाद देता हूं। शक्ति की वाइफ शिवांगी कोल्हापुरे 80 के दशक में एक्ट्रेस रह चुकी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1980 में आई फिल्म किस्मत से की थी। इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती और रंजीता लीड रोल में थे। इस फिल्म में शक्ति कपूर ने भी काम किया था। दोनों की पहली मुलाकात इसी फिल्म के सेट पर हुई थी।

हॉस्टल में संदिग्ध परिस्थितियों में 18 साल के छात्र की मौत

भोपाल। एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित तृप्ती हॉस्टल में एनआईटी की तैयारी कर रहे छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बेसुध अवस्था में उसे देखकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टर का कहना है कि छात्र की मौत कार्डियक अटैक से हुई है। पुलिस पीएम रिपोर्ट मिलने का इंतजार कर रही है। जानकारी के अनुसार पीयूष कोचेकर पिता सुनील कोचेकर (18) मूलत- पांढुना का था। पीयूष यहां एमपी नगर में तृप्ती हॉस्टल में करीब छह महीने पहले रहने आया था और आकाश कोचिंग से एनआईटी की तैयारी कर रहा था। पीयूष के चाचा अनिल कोचेकर ने बताया कि वह हबीबगंज स्थित एक निजी अस्पताल में नौकरी करते हैं। शुक्रवार सुबह उन्हें हॉस्टल के वार्डन का कॉल आया। कॉल पर उन्होंने बताया कि पीयूष बेसुध हो गया है और उसके शरीर में हलचल नहीं हो रही है। वे तत्काल हॉस्टल पहुंचे और पीयूष को सीपीआर दी। इसी बीच एंबुलेंस को कॉल कर बुला लिया। एंबुलेंस मौके पर पहुंची और पीयूष को अस्पताल ले गई। अस्पताल में डॉक्टर ने चेक करने के बाद पीयूष को मृत घोषित कर दिया। पीयूष के पिता सुनील पांढुना में रहते हैं और जनपद पंचायत में कंप्यूटर ऑपरेटर हैं। पीयूष उनका इकलौता बड़ा बेटा था और छोटी बेटी आरुषि है। कार्डियक अटैक की आशंका, परिवार का इकलौता बेटा था पीयूष जिम जाता था पीयूष अनिल ने बताया कि पीयूष स्वस्थ था और जिम जाता था। इसके अलावा कराते का भी उसे शौक था। वह हस्टपुष्ट था। आयुष की असमय मौत से परिजन गमजुदा है। शुक्रवार को उसका पीएम कराने के बाद परिजन शव पार्ढुना लेकर पहुंचे थे। शनिवार को उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

किशोर न्याय अधिनियम विषय पर सेमीनार का आयोजन

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की प्रशिक्षण शाखा एवं पुलिस अकादमी भोपाल की निदेशक सोनाली मिश्रा एडीजीपी के मार्गदर्शन में शुक्रवार को मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से पुलिस अधिकारियों को जुवेनाइल जस्टिस एक्ट विषय पर एक दिवसीय सेमीनार के लिए बुलाया गया. इस सेमीनार में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, निरीक्षक और उपनिरीक्षक समेत कुल 34 मैदानी पुलिस अधिकारी विभिन्न जिलों से सम्मिलित हुए। सेमीनार का विधिवत उद्घाटन सहायक निदेशक श्रद्धा जोशी द्वारा किया गया। इस दौरान अकील खान एडीपीओ (एसटीएफ) ने जुवेनाइल जस्टिस एक्ट की धारा 24 एवं 14 (2) सहित डाइवर्जन के उपायों तथा विधिक प्रावधान, कानूनी प्रावधान संबंधी विस्तृत जानकारी दी।भौंरी पुलिस अकादमी में दिया गया प्रशिक्षण किरण पेन्द्रों प्रभारी एसजेपीयू भोपाल द्वारा बाल कल्याण अधिकारी के कार्य एवं संबंधित गतिविधियों के बारे में बताया। सलमान मंसूरी राज्य समन्वयक बचपन बचाओ आंदोलन भोपाल द्वारा जुवेनाइल जस्टिस एक्ट (किशोर न्याय अधिनियम) एवं भिक्षावृत्ति सम्बंधित पहलुओं पर अपने 15 वर्षो के फील्ड में विभिन्न संस्थाओं के साथ किए गए कार्य एवं व्यवहारिक ज्ञान के आधार पर सारगर्भित जानकारी दी। सत्र के मध्य में सोनाली मिश्रा एडीजीपी प्रशिक्षण शाखा पुलिस मुख्यालय एवं निदेशक पुलिस अकादमी द्वारा सभी प्रतिभागियों से उनका परिचय प्राप्त किया। साथ ही सेमीनार के उद्देष्य एवं फील्ड में इस अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बंध में आने वाली कठिनाइयों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही वरिष्ठ स्तर पर कठिनाइयों के निराकरण हेतु प्रयास करने का आश्वासन दिया। सेमीनार की रूपरेखा तैयार करने एवं अतिथियों का चयन श्रद्धा जोशी सहायक निदेशक सेमीनार द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत श्रद्धा जोशी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं आभार राजीव त्रिपाठी उप पुलिस अधीक्षक ने किया। मंच संचालन रूपेश मगरैया निरीक्षक ने किया। सेमीनार को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में नोहर सिंह, दिलीप शर्मा, सूबेदार सिंह, निवेश, दिनेश मीणा, अनिल एवं सेमीनार कार्य मे लगे अन्य पुलिस स्टाफ की महती भूमिका रही।

ऐशबाग पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

युवक पर फायर, कंधे पर लगी गोली फिर चाकू से किया हमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित पतंग वाली गली, अफकार कॉलोनी में स्कूटर सवार युवकों पर फायर कर चाकू से हमला करने वाले दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस चाकूबाजी और फायर में एक युवक को कंधे पर गोली लगी थी, जबकि चाकू लगने से भी चोट आई थी।

पुलिस के अनुसार 28 दिसंबर को तालिब खान पिता माजिद खान (20) निवासी पुरानी मल्टी ए ब्लाक भानपुर ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्त नफीस, निवासी जनता क्वार्टर के साथ सोनिया गांधी पुलिया से बाग फरहत अफ्जा गेट की तरफ जा रहा था। पतंग वाली गली अफकार कालोनी में पहुंचते ही अमन और अरमान ने उनकी स्कूटर रोक ली। दोनों गाली गलौज कर रहे थे। नफीस ने गाली देने से मना किया तो अरमान खान ने अपने हाथ में रखे कट्टे से फायर कर दिया। फायर सीने पर किया गया था और गोली नफीस के बांये हाथ में कंधे के पास लगी थी। फायर होने के बाद

नफीस और तालिब स्कूटर समेत नीचे गिर गए तो आरोपियों ने अपने पास रखे चाकू से उन पर हमला कर दिया। चाकू नफीस को सिर पर लगा था, जबकि हमला रोकने के कारण चाकू अमन ने अपने हाथ में लगा था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर आरोपी अमन अली उर्फ बच्चा पिता पप्पू अली (23) गुड्डी का मकान, बाग फरहत अफ्जा, ऐशबाग और अरबाज खान पिता वसीम खान (24) फईम भाई के मकान के पास ऐशबाग को गिरफ्तार किया।

नफीस ने बताए अन्य आरोपियों के नाम

पुलिस ने तालिब के बयान दर्ज करने के बाद अमन बच्चा और अरबाज पर प्रकरण दर्ज किया था। कंधे में गोली लगने के कारण नफीस के बयान दर्ज नहीं हो सके थे। बाद में नफीस ने अपने बयान में अन्य लोगों के भी शामिल होने की बात कही थी। पुलिस ने वीडियो फुटेज के आधार पर अरबाज और नाबालिग को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि अभी अन्य आरोपियों की वीडियो फुटेज के तलाश है।

पुलिस को चकमा देकर फरार बदमाश से कट्टा और कारतूस बरामद

भोपाल। जय प्रकाश अस्पताल में गत 9 जनवरी को पुलिस को चकमा देकर फरार होने वाले आरोपी को कोहेफिजा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस समेत पेशन बाइक बरामद की है। जानकारी के अनुसार बदमाश जयंत लोधी पिता कालूराम लोधी (18) ग्राम जंबार बागरी, थाना सिटी कोतवाली, जिला विदिशा का है। गत दिनों पुलिस ने उसे 400 ग्राम चांदी चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। दो पुलिसकर्मी गत 9 जनवरी को उसे लेकर जय प्रकाश अस्पताल पहुंचे। वहां आरोपी का मेडिकल होना था। इस दौरान आरोपी पुलिसकर्मियों को चकमा देकर हथकड़ी खिसकाकर भाग निकला। पुलिस अभिरक्षा से भागने के कारण पुलिसकर्मियों ने हबीबगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसके बाद से हबीबगंज और कोहेफिजा थाने की पुलिस उसे तलाश रही थी। हबीबगंज और कोहेफिजा पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। गुरुवार शाम कोहेफिजा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी जयंत लोधी बैरागढ़ रोड स्थित ईसाई कब्रिस्तान के पास देखा गया है। सूचना के बाद पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची तो देखा कि एक युवक पीले रंग की पेशन बाइक से पुलिस को देख भागने का प्रयास कर रहा है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम जयंत लोधी निवासी विदिशा बताया। कट्टा-कारतूस लेकर घूम रहा था बदमाश पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली तो जैकेट की जेब में रखा एक देशी कट्टा और 2 जिंदा कारतूस मिले। पुलिस ने कट्टा-कारतूस के साथ ही उसकी पैशन बाइक भी जब्त कर ली है। उक्त बाइक उसने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास से चोरी की थी। पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी भोपाल के अलावा सीहोर, राजगढ़ और रायसेन जिले में भी चोरी और नकबजनी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है।

स्कूली छात्र के साथ सोशल मीडिया फ्रेंड ने की मारपीट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर में रहने वाले एक स्कूली छात्रा के साथ उसके सोशल मीडिया फ्रेंड ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर मारपीट कर दी और मोबाइल फोन छीनकर तोड़ दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट और तोडफोड़ का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक नेहरू नगर में रहने वाली 14 वर्षीय किशोर निजी स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ता है। गुरुवार की शाम करीब चार बजे वह लालसिंह ग्राउंड वाली रोड से निकल कर अपने नाना की दुकान पर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसका सोशल मीडिया (इंस्टाग्राम) वाला एक फ्रेंड मिल गया। वह छात्र को देखते ही बगैर किसी कारण के

मोबाइल फोन भी तोड़ा

उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। छात्र ने जब उसके गाली देने से मना किया तो फ्रेंड ने अपने दो अन्य दोस्तों के साथ मिलकर उसकी पिटाई लगा दी। हाथ-मुक्कों और बेल्ट से मारने के कारण छात्र के चेहरे, सिर और हाथ-पैरों में चोट आई थी। आरोपियों ने छात्रा का मोबाइल छीनकर जमीन पर पटक दिया, जिससे वह टूट गया। इस दौरान आसपास के लोग बीच-बचाव करने पहुंचे तो तीनों धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस कार्यप्रणाली में सामाजिक संस्थाओं की सहयोगी भूमिका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस अपने समाजिक सुरक्षा मॉडल को लगातार विकसित कर रही है, जिसमें सामुदायिक पुलिसिंग की कार्यप्रणाली को मजबूत किया गया है। यह मॉडल समाज और पुलिस के बीच विश्वास और सहयोग की भावना को बढ़ाता है, और एक सुरक्षित, संगठित और शांतिपूर्ण समाज की ओर मार्ग प्रशस्त करता है।

इसमें प्रमुख भूमिका निभाने वाली संस्थाएं हैं, जो पुलिस के साथ मिलकर समाज के जमीनी स्तर पर बदलाव और अपराधों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन संस्थाओं के लिए शुक्रवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रारंभ में पुलिस उप महानिरीक्षक सामुदायिक पुलिसिंग विनीत कपूर ने कहा कि यह कार्यशाला सामुदायिक पुलिसिंग और समाज के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ाने पर केंद्रित है।

पुलिस और जनता के बीच सेतु बनी संस्थाएं

इसमें सामाजिक संस्थाएं, जैसे गैर-सरकारी संगठन, शैक्षणिक संस्थाएं और स्थानीय नागरिक समूह, महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

ये संस्थाएं जन जागरूकता अभियान चलाकर अपराध और सामाजिक बुराइयों के प्रति जनता को सचेत करती हैं, समुदाय की जरूरतों और समस्याओं को पहचानने में पुलिस का सहयोग करती हैं, और पुलिस व नागरिकों के बीच विश्वास बढ़ाने के लिए संवाद और सहयोग को प्रोत्साहित करती हैं।

संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण पुलिस उप महानिरीक्षक पीटीआरआई टीके विद्यार्थी ने कहा कि पुलिस के मैदानी कार्य में महिला एवं बाल अपराधों की रोकथाम के लिए सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सड़क क्रास कर रहे दंपति को मारी टक्कर

भोपाल। कमिश्नर कार्यालय के पास सड़क क्रास कर रहे एक बुजुर्ग दंपति को मैजिक वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। पुलिस ने मैजिक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार केसर बाई मोगिया (60) ग्राम अमरगढ़, थाना सुठालिया जिला राजगढ़ की रहने वाली हैं। बुधवार दोपहर करीब तीन बजे वह अपने पति रामचरण मोगिया के साथ कमिश्नर कार्यालय से बाहर आने के बाद सड़क क्रास कर रही थी, तभी लालघाटी की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार मैजिक वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में बुजुर्ग दंपति को गंभीर चोट आई है। घायल रामचरण को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले मैजिक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर सड़क सुरक्षा माह के तहत जारी है कार्यक्रम

यातायात नियमों का पालन करने बच्चों को पुलिस की सीख

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार तथा पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर भोपाल पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसमें (परवाह) थीम पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं वाहन चालकों को नियमों का पालन कराने के लिए यातायात जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को भोपाल शहर के यातायात जोन-2 में द ओरिएण्टल स्कूल पटेल नगर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव स्कूल में पहुँचे तथा छात्रों को यातायात सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन संबंधी जानकारी दी। बच्चों को संबोधित करते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि हम घर से जब भी बाहर निकलते हैं तो सीधे सड़क पर पहुंच जाते हैं। फिर चाहे पैदल हो,

यात्री वाहन से हो या फिर पब्लिक ट्रांसपोर्ट से, हम सभी सड़क मार्ग का उपयोग करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब हम सड़क पर आ जाते है तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम यातायात नियमों का पूर्ण मनयोग से पालन करें। सड़कों पर यातायात नियमों का पालन करना अनिवार्य रूप से हमारे रोजमर्रा जीवन का हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि भारत देश में वर्ष 2023 में लगभग 1।73 लाख व्यक्तियों ने सड़क दुर्घटना में अपनी जान गवाई है। जिन्हें यातायात नियमों का पालन करते हुए कम किया जा सकता था, क्योंकि ज्यादातर दुर्घटनायें यातायात नियमों की अवहेलना करने के कारण हुई हैं। इस अवसर पर स्कूली बच्चों ने अनेक प्रकार के प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा का समाधान किया गया।

झाड़ू लगाने की बात को लेकर मारपीट

भोपाल। टीटी नगर डिपो चौराहा स्थित शराब दुकान के पास झाड़ू लगाने की बात को लेकर दुकान के कर्मचारी और नगर निगम कर्मचारी के बीच मारपीट हो गई। पुलिस ने मारपीट का काउंटर केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार अक्षय डागौर (19) बापू नगर झुग्गी कमला नगर में रहता है और नगर निगम में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी है। इसी प्रकार सिद्धांत आचार्य (29) गुलमोहर कालोनी शाहपुरा में रहता है और डिपो चौराहा स्थित शराब दुकान पर सुपरवाइजर का काम करता है। सोलह जनवरी की रात करीब साढ़े 12 बजे शराब दुकान बंद हो चुकी थी, और सिद्धांत घर जा रहा था। इसी दौरान अक्षय शराब दुकान के पास झाड़ू लगाने पहुंचा था।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022